''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 272 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए मंगलवार, 17 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

हरियाणा में 50 लाख से ज्यादा सदस्य पार्टी में जोड़े जायेंगे : विपुल गोयल

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य बनने के बाद हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि हरियाणा में भाजपा का सदस्यता अभियान जोरों पर हैं और भाजपा के सदस्य बनने के लिए हरियाणा की जनता में खासा उत्साह है । प्रदेश में भाजपा का लक्ष्य 50 लाख लाख नए सदस्य जोड़ने का है और अभी तक 35 लाख से ज्यादा नए सदस्य बन चुके हैं । श्री गोयल ने कहा कि अगले कुछ दिनों में हम सदस्यता अभियान को पूर्ण करेंगे और प्रदेश में 50 लाख से ज्यादा नए सदस्य जोड़ेगे । प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार लगातार योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को सशक्त करने और प्रदेश का विकास कर रही है जिससे प्रदेश की जनता में भाजपा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है और हजारों की तादाद में लोग लगातार भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बन रहे हैं । सोमवार को प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भाजपा के सक्रिय सदस्य बने । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा, फरीदाबाद सक्रिय सदस्यता अभियान के संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, फरीदाबाद विधानसभा के सक्रिय सदस्यता संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष वजीर सिंह डागर, पंकज सिंगला, मंडल अध्यक्ष कुलदीप साहनी, नीरज मित्तल आदि उपस्थित रहे । श्री गोयल ने कहा कि हमारे देवतुल्य कार्यकर्ता ही भाजपा की शक्ति और सामर्थ्य हैं। साधारण सदस्यता के साथ भाजपा की सक्रिय सदस्यता अभियान भी शुरू हो चूका है और जो कार्यकर्त्ता अपने साथ 50 सदस्य जोड़ेगे उसे ही पार्टी में सक्रिय सदस्य बनाया जायेगा और सक्रिय सदस्य को ही पार्टी संगठन में मौका दिया जायेगा । इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने कहा कि फरीदाबाद में सक्रिय सदस्यता अभियान की शुरुआत हो चुकी है और हमारे सभी मंत्रियों विधायकों और पदाधिकारियों को भी सक्रिय सदस्य बनाया जा रहा है । श्री वोहरा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली द्वारा शुरू किये गये सक्रिय सदस्यता अभियान में भाग लेकर सभी कार्यकर्त्ता भाजपा के सक्रिय सदस्य बने।

शिक्षा के बिना समाज तरक्की नहीं कर सकता : मूलचंद शर्मा

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के गांव जवा में हर्ष मेमोरियल फार्मेसी कॉलेज के उद्घाटन अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री और विधायक बल्लभगढ़ पं. मूलचंद शर्मा ने कहा की शिक्षा के साथ साथ बच्चो को संस्कारी और गुणवान बनाने का काम करे शिक्षण संस्थान। उन्होंने कहा कि इलाके के जाने माने स्वर्गीय श्री लेखराम वैद्य के परिवार ने इलाके में शिक्षा जगत में बेहतर कार्य किया है, शिक्षा के बिना समाज तरक्की नहीं कर सकता है। उन्होंने बताया कि डॉ. रामप्रकाश वशिष्ठ ने दुर्घटना में स्वर्गवासी पुत्र हर्ष के नाम पर फार्मेसी कालेज का नामकरण किया गया है। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने कहा की इस परिवार के द्वारा बी ऐड कालेज,स्कूल और अब एक और कालेज का निर्माण कर इलाके को शिक्षा देने का काम किया है जो बहुत ही सराहनीय है। इस मौके पर ईश्री वशिष्ठ, प्रताप वशिष्ठ, सुरेंद्र बबली, बृजमोहन बातिश, अमरसिंह, शिवकुमार, जेपी मास्टर, चन्द्रसेन सहित इलाके की सरदारी मौजूद रही।

कार्यकर्ताओं के परिश्रम की बदौलत अब तक 35 लाख से अधिक लोग भाजपा से जुड़े : पंडित मोहन लाल बड़ौली

भाजपा 50 लाख सदस्य बनाने का टारगेट पूरा करेगी : बड़ौली

हरियाणा में जल्द होंगे भाजपा संगठन के चुनाव : बड़ौली

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने हरियाणा में भाजपा के 35 लाख से अधिक सदस्य बनने पर कार्यकर्ताओं का आभार जताया है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा के निष्ठावान और कर्तव्यनिष्ठ कार्यकर्ताओं की मेहनत से हम 50 लाख का टारगेट भी जल्द पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ आज प्रत्येक हरियाणवी भाजपा से जुड़ना चाहता है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सदस्य अभियान को सफल बनाने की अहम भूमिका निभा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने सोनीपत में मीडिया के सवालों के जवाब भी दिए और किसानों के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को भी घेरा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयासों से अभी तक 35 लाख से अधिक लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ते हुए भाजपा परिवार में शामिल किया है। उन्होंने कहा कि यह सफलता जमीनी स्तर पर कार्यरत भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। भाजपा के कार्यकर्ता परिश्रम और ईमानदारी से सदस्यता अभियान के लक्ष्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, उद्यमी और विभिन्न वर्गों के लोग भाजपा से जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में जल्द भाजपा संगठन के चुनाव होंगे और 6 जनवरी तक बूथ कमेटियों का गठन कर लिया जाएगा। महिला आयोग की उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल की गिरफ्तारी पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। भ्रष्टाचारी किसी भी कीमत पर बख्शे नहीं जाएंगे।

किसानों से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों का सम्मान करने वाली पार्टी है। हरियाणा में नायब सरकार 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में भी हरियाणा की तर्ज पर किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीदनी चाहिए। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार ने किसानों की भलाई के लिए जो करके दिखाया है वह कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को भी करके दिखाना चाहिए।

श्री बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा नॉन-स्टॉप आगे बढ़ रहा है। हरियाणा की डबल इंजन सरकार विकास का नया इतिहास रचने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जो वादे किए हैं उन्हें नायब सरकार एक-एक करके पूरा कर रही है।

भाजपा ने नॉन स्टॉप सदस्यता अभियान चलाकर 35 लाख से ज्यादा सदस्य बनाने का अभिनव कीर्तिमान स्थापित किया : डा. सतीश पूनिया

भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने 35 लाख सदस्य बनने पर मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष सहित हरियाणा भाजपा के तमाम नेताओं को दी बधाई

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म ''एक्स'' पर 35 लाख से अधिक लोगों को पार्टी के सदस्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, सदस्यता अभियान के संयोजक वेदपाल एडवोकेट सहित कार्यकर्ताओं का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा हरियाणा ने नॉन स्टॉप हरियाणा की तर्ज पर नॉन स्टॉप सदस्यता अभियान चलाकर 35 लाख से ज्यादा सदस्य बनाने का अभिनव कीर्तिमान स्थापित किया है। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व ने जिस अपेक्षा व विश्वास के साथ हरियाणा में सदस्यता का जो लक्ष्य तय किया है उसे कार्यकर्ता पूरा करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' का संकल्प लेकर भारत आगे बढ़ रहा है। 2047 तक आत्मनिर्भर भारत का सपना विकसित भारत के रूप में हम सभी के सामने होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा तेजी से आगे बढ़ रहा है और जल्द ही हरियाणा विकसित राज्य बनेगा।

हाउसिंग बोर्ड आवंटी को 5,000 रुपये का मुआवजा देने के दिए आदेश

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने हाउसिंग बोर्ड हरियाणा को एक आवंटी की मृत्यु के मामले में संपत्ति से संबंधित रिफंड की प्रक्रिया में अनुचित देरी और उत्पीडन. के कारण 5,000 रुपये का मुआवजा देने के निर्देश दिये हैं। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त श्री टी.सी. गुप्ता द्वारा यह आदेश जारी किया गया है। आदेशों में कहा गया है कि शिकायतकर्ता श्री भूपिंदर शर्मा ने एक फ्लैट की राशि वापस करने के लिए आवेदन किया था, जिसका आवंटन उनके मृतक पिता के नाम पर था। हाउसिंग बोर्ड ने आवंटन रद्द कर दिया था। बोर्ड द्वारा रिफंड देने के बजाय शिकायतकर्ता को निर्देश दिए कि वह रिफंड की प्रक्रिया शुरू करने से पहले रद्द किए गए फ्लैट को अपने नाम पर स्थानांतरित करे।

शिकायतकर्ता द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बावजूद, हाउसिंग बोर्ड निर्धारित समय के भीतर आवश्यक सेवा देने में विफल रहा। परिणामस्वरूप, श्री भूपिंदर शर्मा ने हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग से निवारण की मांग की। मामले की समीक्षा और संबंधित अधिकारियों की सुनवाई उपरांत आयोग ने निष्कर्ष निकाला कि हाउसिंग बोर्ड की देरी और शिकायतकर्ता को हुई परेशानी के लिए मुआवजा दिया जाना चाहिए। आयोग द्वारा हाउसिंग बोर्ड को 5,000 रुपये का मुआवजा देने के आदेश दिये गए। इसके अलावा, आयोग ने निर्देश दिये कि हाउसिंग बोर्ड में हुई देरी की जांच पर जिम्मेदार अधिकारियों से मुआवजा राशि वसूली जाए। इसके अतिरिक्त, बोर्ड को निर्देश दिये गये कि संपत्ति हस्तांतरण पूरा होने के बाद आयोग को सूचित किया जाए। आयोग ने यह भी आदेश दिया कि यदि आगे देरी करने पर अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

अधिकारी जनता की समस्याओं के समाधान को दें प्राथमिकता: अनिल विज

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में आयोजित जनता कैंप के दौरान विभागीय लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। आज अम्बाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित इस कैंप में उन्होंने सैकड़ों लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। कैबिनेट मंत्री ने दिव्यांग की पेंशन में देरी के मामले को गंभीरता से लेते हुए सामाजिक न्याय विभाग के इन्वेस्टिगेटर को सस्पेंड करने के आदेश दिए। उन्होंने विकास कार्यों में देरी पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश भी दिए।

सफाई कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन न मिलने की शिकायत पर उन्होंने श्रम विभाग को निर्देश दिया कि मामले की जांच कर ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इसी प्रकार, चोरी, सड़क दुर्घटना, हत्या और धोखाधड़ी जैसे मामलों में तेजी से कार्रवाई के लिए पुलिस को निर्देशित किया गया। उन्होंने इन मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित करने के आदेश भी दिए। जनता कैंप में बिजली, पानी, सड़क और अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर मंत्री श्री अनिल विज ने संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों का निवारण अगले कैंप से पहले सुनिश्चित किया जाए।

किसानों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन की सलाह:

मीडिया से बात करते हुए श्री विज ने किसानों से अपील की कि वे शांतिपूर्वक तरीके से प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने का सभी को अधिकार है, मगर देश को बंद करना या रेल रोकना ठीक नहीं है, क्योंकि इससे आम जनता को परेशानी होती है। आज के इस कैंप में अम्बाला के एडीसी डॉ. ब्रह्मजीत सिंह, डीएसपी सुरेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

समस्याओं को लेकर समस्त हरियाणा आटो रिक्शा यूनियन ने मुख्यमंत्री व उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। समस्त हरियाणा आटो रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष वासदेव भील अहेरिया के नेतृत्व में आज फरीदाबाद के विभिन्न स्थानों ने आटो चालक एकत्र होकर सैक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय पहुंचे और वहां उपायुक्त व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपे। ज्ञापन में श्री अहेरिया ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व जिला उपायुक्त विक्रम सिंह से मांग की है कि सभी आटो ड्राईवर के लिए प्रशासन कैंप लगाकर लाईसेंस बनवाए। परमिट को 15 दिन पहले न बनवा पाने पर लगने वाली 11 सौ रूपए की पैनल्टी माफ की जाए। सभी आटो स्टैण्डों पर ड्राईवरों व आम लोगों की सुविधा के लिए शौचालय की व्यवस्था की जाए। फरीदाबाद में आटो में सवारी भरने व उतारने एवं खड़े होने की जगह सुनिश्चित की जाए। एक्सीडेंट की स्थिति में 10 साल की सजा व सात लाख का जुर्माना रद्द किया जाए। आटो रिक्शा में तीन सवारी से ज्यादा बैठी होने पर चालान न किया जाए, क्योंकि हरियाणा में लेबर ग्रेड कम है। फरीदाबाद के आटो ड्राईवरों को एनसीआर का परमिट दिया जाए, क्योंकि आटो रिक्शा एम्बुलैंस का काम करता है। किसी भी तरह का नशा करके आटो चलाने वाले के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। लाईसेंस धारक आटो रिक्शा ड्राईवर के बच्चों को निशुल्क छात्रवृत्ति दी जाए। जिन आटो ड्राईवर के पास अपना मकान नहीं है उन्हें प्रधानमंत्रील आवास योजना के साथ जोड़ा जाए। सभी आटो वालो को आटो खरीदने पर सरकारी बैंकों द्वारा लोन की सुविधा दी जाए।

प्रदेशाध्यक्ष वासदेव भील अहेरिया ने कहा कि आटो के फिटनेस सैन्टर में दो आटो चालक प्रतिनिधि भी शामिल किए जाए साथ ही आटो ड्राईवरों की बहन-बेटियों की शादी में आटो द्वारा एक-दूसरे राज्य में अपने परिवार को लाने-ले-जाने की अनुमति दी जाए। ज्ञापन देने वालों में अन्य के अलावा विभिन्न स्टैण्डों के प्रधान व महासचिव शामिल रहे।

मन्नत गडतान ने पहली हरियाणा किड्स स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता सोना

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सत्यवीर धनखड़ फरीदाबाद के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एथलेटिक्स फैडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) के प्लानिंग कमेटी के चेयरमेन डाक्टर ललित के भनोट के द्वारा सम्पूर्ण भारतवर्ष के सभी राज्यों में प्रतिभावान खिलाड़ी खोज अभियान के तहत सभी राज्यों में किड्स राज्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, हरियाणा राज्य में पहली किड्स स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन सोनीपत के सी आर ए कालेज में 14 दिसंबर से 15 दिसंबर तक एथलेटिक्स हरियाणा के द्वारा किया गया। सत्यवीर धनखड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि मन्नत गडतान ने शाट पुट बैक थ्रो में 9 मीटर 70 सैंटीमीटर की बेहतरीन थ्रो कर स्वर्ण पदक विजेता बन अपने विद्यालय और जिले का नाम रौशन किया।

स्वर्ण पदक विजेता मन्नत गडतान ने जानकारी देते हुए बताया कि उसके पिता संदीप गडतान विराट नगर में स्थित लाल पथ लैब पानीपत में डाक्टर के पद पर कार्यरत हैं और उनकी माता गृहणी हैं एवं बडा भाई विवान गडतान 10वीं कक्षा का छात्र है और वह स्वयं डाक्टर एम के के माडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 6ठी कक्षा की छात्रा है।

मन्नत गडतान के स्वर्ण पदक विजेता बनने पर स्कूल के प्रिंसिपल मधु पाराशर और पी टी आई बबीता ने फोन पर पदक जीतने की बधाई देते हुए भविष्य में और भी अच्छा खेल प्रदर्शन का आशीर्वाद प्रदान किया।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।
नोट: मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

सर्दियों में शकरकंद खाने के फायदे

आलू के मुकाबले क्यों पौष्टिक माना जाता है शकरकंद

शकरकंद हमारे यहां सर्दियों के मौसम में आने वाली एक तरह की सब्जी है, जो दिखने में आलू जैसा होता है मगर इसका स्वाद मीठा होता है। शकरकंद कई रंगों में आते हैं, जैसे- सफेद, बैंगनी और नारंगी आदि। आमतौर पर सभी तरह के शकरकंद मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। मगर दुनियाभर में सबसे ज्यादा इस्तेमाल नारंगी स्वीट पोटैटो का किया जाता है, क्योंकि इसमें कुछ खास एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आपको कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। शकरकंद खाने के ढेर सारे स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनके बारे में हम आपको विस्तार से बताएंगे।

क्यों फायदेमंद है शकरकंद खाना?

केन्द्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने ट्वीट कर लिखा, नारंगी रंग वाले कुछ स्वीट पोटैटोज (शकरकंद) लें, उन्हें उबालें और स्वादिष्ट चाट बनाएं। शकरकंदी में विटामिन ए और विटामिन सी की मात्रा अच्छी होती है, इसलिए ये साधारण आलू की अपेक्षा बहुत ज्यादा पौष्टिक होते हैं। चूंकि शकरकंदी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी बहुत कम होता है, इसलिए डायबिटीज के मरीज भी इसे खा सकते हैं। हालांकि यहां यह साफ कर देना जरूरी है कि सामान्यतः डायबिटीज के मरीजों के लिए शकरकंद को सुरक्षित माना जाता है, मगर कुछ मामलों में शकरकंद का सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है, इसलिए इसे खाने से पहले अपने डॉक्टर से इस बारे में सलाह जरूर ले लें।

पोषक तत्व

200 ग्राम उबले हुए शकरकंद खाने से आपको निम्न मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं-

- **कैलोरीज**- 180
- **प्रोटीन**- लगभग 4 ग्राम
- **फाइबर**- लगभग 6 ग्राम
- **कार्ब्स**- लगभग 41 ग्राम
- **फैट**- सिर्फ 0.3 ग्राम
- **विटामिन ए**- आपकी दैनिक जरूरत का 769प्रतिशत
- **विटामिन सी**- आपकी दैनिक जरूरत का 65प्रतिशत
- **मैंग्नीज**- आपकी दैनिक जरूरत का 50प्रतिशत
- **विटामिन बी6**- आपकी दैनिक जरूरत का 29प्रतिशत

इसके अलावा शकरकंद में कॉपर, नियासिन और पैंटोथेनिक एसिड की मात्रा भी बहुत अच्छी होती है। इसलिए इसका सेवन आपके पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इन सभी तत्वों के अलावा रंगीन शकरकंद (नारंगी और बैंगनी) कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स और कई तरह के रोगों से बचाते हैं। फ्री रेडिकल्स हमारे शरीर में कई तरह के रोगों और परेशानियों का कारण बनते हैं।

पेट के लिए

शकरकंद में फाइबर की मात्रा अच्छी होती है। इसलिए शकरकंद खाने से आपके पाचनतंत्र पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ता है। शकरकंद में दोनों तरह के फाइबर पाए जाते हैं, घुलनशील और अघुलनशील। अघुलनशील फाइबर आपकी आंतों में चिपकी गंदगियों और टॉक्सिंस को अपने साथ ही मल के साथ बाहर निकाल देते हैं। जबकि घुलनशील फाइबर आपके मल को मुलायम बनाते हैं इसलिए कब्ज के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद है।

कैंसर से बचा सकते हैं शकरकंद

आपको मुश्किल से ही यकीन आएगा मगर रिसर्च बताती हैं कि शकरकंद में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो आपके शरीर को कैंसर के संभावित खतरे से बचाते हैं। इसका कारण यह है कि शकरकंद में बहुत अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कैंसर सेल्स को पनपने और बढ़ने से रोकते हैं।

आंखों के लिए

अगर आंखों को लंबी उम्र तक स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो आज से ही डाइट में शकरकंद को शामिल कर लेना चाहिए। शकरकंद में विटामिन ए की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। सिर्फ 200 ग्राम शकरकंद खाने से ही आपको अपनी जरूरत का 7 गुने से भी ज्यादा बीटा कैरोटीन मिल जाता है। यही बीटा कैरोटीन शरीर में जाकर विटामिन ए में बदल जाता है और आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करता है।

चेहरे पर क्यों होते हैं अनचाहे बाल

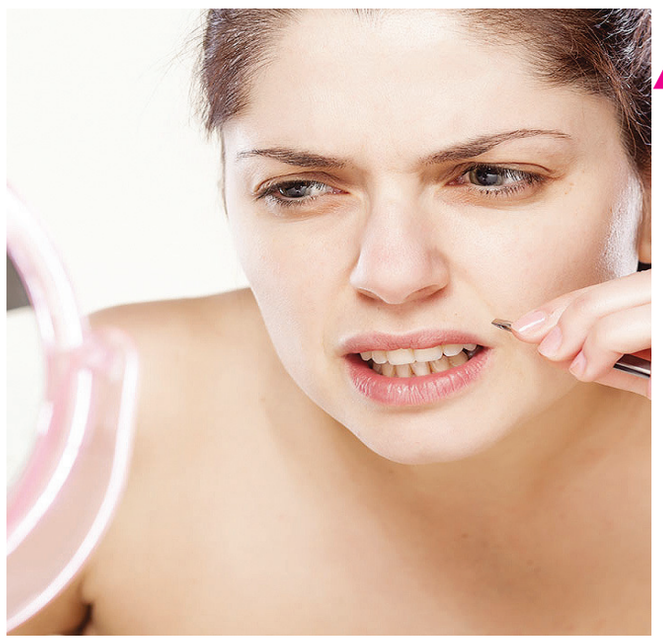

ऐसे पाएं इनसे निजात

खूबसूरत चेहरा हर किसी की चाहत है। पर इस चाहत पर नजर लगाते हैं अनचाहे बाल। चेहरे पर क्यों होते हैं ये अनचाहे बाल और कैसे इनसे पाएं छुटकारा? किसी भी महिला की खूबसूरती में उसके तीखे नैन-नक्श के साथ-साथ चमकते-दमकते चेहरे का भी बहुत योगदान होता है। आमतौर पर हमारी चेहरे की त्वचा पर हल्के रोएं होते ही हैं। सामान्य रूप से पुरुषों में वयस्क होने के साथ-साथ ये बढ़कर दाड़ी-मूंछ की शक्ल ले लेते हैं, लेकिन महिलाओं में बेहद हल्के ही बने रहते हैं। पर कुछ महिलाओं में चेहरे पर ये बाल इतने बढ़ जाते हैं कि वे असामान्य लगने लगते हैं। मेडिकल साइंस में इस स्थिति को हर्सूटिज्म यानी अतिरोमता कहा जाता है। इस बीमारी में महिलाओं के चेहरे, छाती, पीठ और पेट पर पुरुषों की तरह बाल उगने लगते हैं।

हर्सूटिज्म नामक इस बीमारी के बहुत से कारण हैं, लेकिन इसका एक मुख्य कारण महिलाओं के शरीर में एंड्रोजन नामक पुरुष हार्मोन का ज्यादा मात्रा में बनना भी होता है। इसके अलावा भी कुछ अन्य कारण इस बीमारी के लिए आमतौर पर जिम्मेदार होते हैं। **पीसीओएस:** पॉलिसिस्टिक ओवरीज सिंड्रोम, एक ऐसी बीमारी है, जो महिलाओं में बहुत ज्यादा देखने को मिलती है। इसकी वजह से महिलाओं की ओवरीज (अंडाशय) की कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है, जिसके साथ-साथ अनियमित मासिक धर्म, वजन का असामान्य रूप से बढ़ना, चेहरे पर मुहांसे आना और गर्भधारण में दिक्कतें आने लगती हैं। इन सबके चलते महिला के चेहरे पर पुरुषों की तरह बाल उगने लगते हैं। **कुशिंग सिंड्रोम:** एक शोध के अनुसार, करीब 50 हजार लोगों में से किसी एक को यह बीमारी होने का खतरा रहता है। लेकिन महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले इस बीमारी का खतरा तीन गुना बढ़ जाता है। दरअसल, जब शरीर में कॉर्टिसोल नाम के हार्मोन का स्तर जरूरत से ज्यादा बढ़ जाता है, तो चेहरे पर तेजी से बाल उगने शुरू हो जाते हैं, जिसके साथ-साथ असामान्य रूप से वजन बढ़ना, स्ट्रेच मार्क्स का बनना, मांसपेशियों और हड्डियों का कमजोर होना और शरीर पर जहां तहां नील पड़ने जैसी बीमारियां भी हो जाती हैं।

बढ़ती उम्र: जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ने लगती है, वैसे-वैसे हमारे शरीर में हार्मोन से जुड़े बदलाव भी तेजी से होने लगते हैं। खासतौर पर मेनोपॉज के बाद महिलाओं में चेहरे पर बाल ज्यादा उगने लगते हैं, जो देखने में पुरुषों की दाड़ी और मूंछ की तरह लगते हैं।

वजन का असामान्य रूप से बढ़ना: महिला हो या पुरुष, मोटापा हमारे शरीर में हार्मोन के संतुलन को बुरी तरह से प्रभावित करता है। हार्मोन के इस असंतुलन के कारण भी चेहरे पर ज्यादा बाल उगने लगते हैं।

दवाओं का दुष्प्रभाव: लंबे समय तक ली जाने वाली कुछ खास दवाएं और स्टेरॉयड्स के सेवन से भी चेहरे पर असामान्य रूप से बाल बढ़ने लगते हैं।

कुछ आनुवांशिक कारण : कभी-कभी हर्सूटिज्म की समस्या वंशानुगत भी होती है। मतलब यह कि यदि आपकी मां, दादी या नानी को चेहरे पर अनावश्यक बालों की समस्या है, तो बहुत हद तक संभव है कि आपको भी इस परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता। **अधिक जंक फूड का सेवन:** इस तेज रफ्तार जिंदगी में अकसर हम सभी अपने खानपान की अनदेखी सबसे पहले करने लगते हैं। नतीजतन भूख लगने पर कुछ भी उल्टा-सीधा खा लेते हैं। जरूरत से ज्यादा मात्रा में खाया गया जंक फूड यूं तो सभी के लिए नुकसानदेह होता है, लेकिन महिलाएं इससे विशेष रूप से प्रभावित होती हैं। इससे उनके शरीर में हार्मोन में असंतुलन पैदा होने लगता है, जिसकी वजह से चेहरे पर अनचाहे बाल उगने लगते हैं।

काम आएंगे ये उपाय: हालांकि चेहरे पर अनचाहे बालों को होने से रोकने का कोई पुख्ता उपाय नहीं है, लेकिन फिर भी आमतौर पर थोड़े बहुत रोएं हटाने के लिए महिलाएं ब्लीच, थ्रेडिंग और वैक्सिंग करवा लेती हैं, जिसका प्रभाव काफी समय तक रहता है। इसके अलावा कुछ अन्य ऐसे उपाय भी हैं, जो मददगार साबित हो सकते हैं। **शेविंग:** जब चेहरे पर बाल असामान्य रूप से बढ़ जाते हैं और वह मोटे भी होते हैं, तो उन्हें हटाने के लिए थ्रेडिंग और ब्लीचिंग जैसे उपाय काम नहीं आते। ऐसी स्थिति में महिलाओं को शेविंग का सहारा लेना पड़ता है। यदि नियमित रूप से इन बालों को ना हटाया जाए, तो वह पुरुषों की दाड़ी की तरह दिखने लगते हैं। **इलेक्ट्रोलिसिस:** इस विधि में बहुत हल्के इलेक्ट्रिकल करंट को एक बेहद बारीक सुई की मदद से बालों की जड़ तक पहुंचाया जाता है, जिससे वह बाल जढ़ से जलकर खत्म हो जाता है। लेकिन यह एक महंगा उपाय है और इसमें वक्त भी लगता है। **लेजर हेयर रिमूवल:** यह तकनीक काफी हद तक इलेक्ट्रोलिसिस से मिलती-जुलती है, जिसमें बाल की जड़ को लेजर बीम के माध्यम से नष्ट किया जाता है। यह भी एक महंगा और लंबा उपाय है, साथ ही इसमें बाल फिर से उग आने की आशंका भी बनी रहती है। ये दोनों ही उपाय हमेशा किसी अनुभवी और अच्छे कॉस्मेटोलॉजिस्ट से ही करवाने चाहिए। **दवाओं की अहमियत:** यदि आप पीसीओएस या ऐसी ही किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त हैं, तो अनचाहे बालों को कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाएं ले सकती हैं। ये दवाएं शरीर में हार्मोन के स्तर को नियंत्रित रखती हैं, जिससे चेहरे पर अनचाहे बालों की समस्या नहीं होती। इसके अलावा गर्भ निरोधक गोलियां और एंटी एंड्रोजन दवाएं भी महिलाओं के शरीर में एंड्रोजन के स्तर को संतुलित करने का काम करती हैं। जिसके प्रभाव से चेहरे पर अनचाहे बाल धीरे-धीरे उगने कम हो जाते हैं।

ठंड के मौसम में ड्राई स्किन के लिए कारगर हैं ये घरेलू उपचार

सर्दियों का मौसम आते ही ड्राय स्किन या सूखी त्वचा हमें परेशानी में डाल देती है। इस दौरान यह समस्या आम है और इसका घरेलू स्तर पर भी इलाज किया जा सकता है। दादी मां के नुस्खों जैसे कई घरेलू नुस्खे हैं जो हमें सूखी त्वचा की परेशानियों से निजात दिला सकते हैं। सर्दियों में त्वचा सूखने को चिकित्सा की भाषा में विंटर जेरोसिस कहा जाता है। आइये जानें कुछ कुदरती घरेलू नुस्खों के बारे में-

पेट्रोलियम जैली

पेट्रोलियम जैली बरसों से मॉइश्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल की जाती रही है। इसे मिनेरल ऑइल के नाम से भी जाना जाता है। 2017 के एक अध्ययन में पाया गया कि यह बूढ़े लोगों की त्वचा के लिए चमत्कारिक परिणाम देती है। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ सूखने वाली त्वचा के लिए यह रामबाण घरेलू नुस्खा कहा जा सकता है।

एलोवेरा

2003 के एक अध्ययन के मुताबिक एलोवेरा जेल सूखी त्वचा से राहत देती है। जिन लोगों की हाथों या पैरों की त्वचा सूखती हो वह एलोवीरा जेल लगाकर उस हिस्से को मोजे या ग्लव्ज से ढंककर रख सकते हैं। बेहतर यही होगा कि रात को सोने से पहले यह जेल लगाया जाए। शरीर के दूसरे हिस्सों में भी त्वचा के लिए एलोवेरा जेल फायदेमंद ही होता है।

सूरजमुखी तेल

2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया था कि सनफ्लावर सीड्स ऑयल यानी सूरजमुखी का तेल, बांहों पर इस्तेमाल करने पर बेहद कारगर मॉइश्चराइजर की तरह काम करता है। इसी अध्ययन में पाया गया कि जैतून के तेल से त्वचा की प्रतिरोधक सतह को नुकसान होता है। इससे यह भी पता चला कि सभी कुदरती तेलों को मॉइश्चराइजर के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

नारियल तेल

हमारी त्वचा के लिए नारियल का तेल भी बहुत अच्छा होता है। 2014 के एक सर्वेक्षण के मुताबिक सूखी त्वचा के लिए नारियल का तेल पेट्रोलियम जैली जितना ही प्रभावी और सुरक्षित है। यह भी पाया गया कि यह त्वचा की नमी को सुधार कर त्वचा की सतह पर लिपिड्स (वसा) की मात्र भी बढ़ाता है। 2016 के एक अध्ययन के मुताबिक नारियल के तेल में सेचुरेटेड फैटी एसिड्स होते हैं जिनमें त्वचा को नर्म-मुलायम करने वाले गुण (एमोलिएंट प्रॉपर्टीज) होते हैं। यह ऐसे फैट्स या तेल होते हैं जो सूखी त्वचा के बीच की खाली जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाते हैं।

ओटमील

ओटमील एक और ऐसी कुदरती वस्तु है जो त्वचा सूखने की समस्या से निजात दिला सकता है। नहाने के पानी में ओटमील मिलाकर या उसकी मौजूदगी वाला क्रीम इस्तेमाल करने से फायदा होता है। 2015 के एक अध्ययन के मुताबिक ओटमील में प्रज्वलनरोधी (एंटीइन्फ्लेमेटरी) और एंटीऑक्सिडेंट गुण होते हैं, जिनकी वजह से सूखी त्वचा के मामलों में फायदा होता है।

दूध

दूध को त्वचा पर लगाने की बजाए उसे पीना सूखी त्वचा की मुश्किलातों से राहत दे सकता है। 2015 के एक अध्ययन के मुताबिक आहार में दूध को शामिल करने का सूखी त्वचा को फायदा पहुंचता है। दूध में मौजूद फैट फॉस्फोलिपिड ने प्रयोग के दौरान चूहों की त्वचा में सुधार दिखाया था। इंसानों पर इसके पूरे फायदों को जानने के लिए अभी और रिसर्च की गुंजाइश भी इस अध्ययन में बताई गई थी।

शहद

2012 के कुछ अध्ययनों के मुताबिक शहद, त्वचा की कई तरह की बीमारियों में लाभदायक होता है। यह सूखी त्वचा को नम रखने और जलन से राहत में मदद देता है। उपरोक्त सभी गुण इस बात को जाहिर कर देते हैं कि घर पर सूखी त्वचा के इलाज के लिए शहद का इस्तेमाल एक सही विकल्प है। यह पूरी तरह से प्राकृतिक है और सीधे त्वचा पर भी लगाया जा सकता है।

टाइम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3383

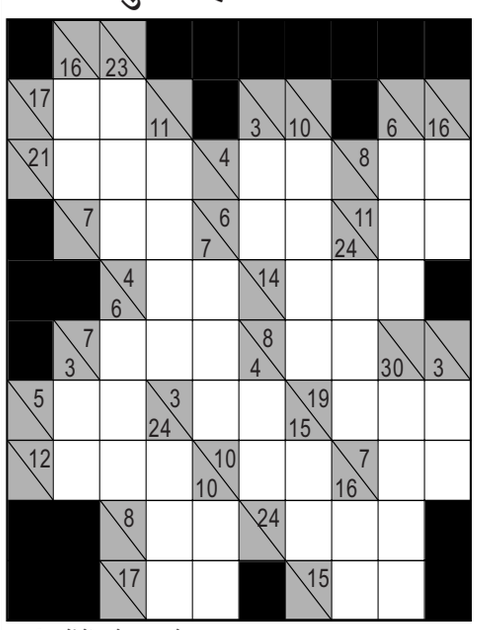

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

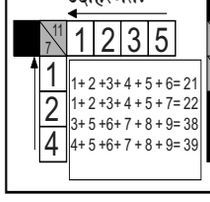

काकुरो - 3382 का हल

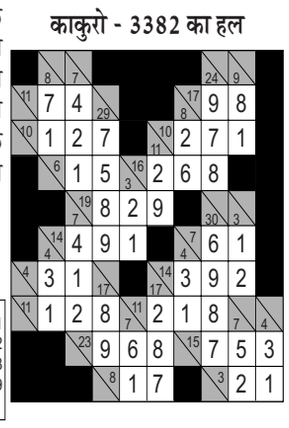

हंसी के फव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा, 'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.' क्षण भर रुककर वह बोला, 'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा, 'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली, 'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो. कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा, 'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली, 'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते, तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3383

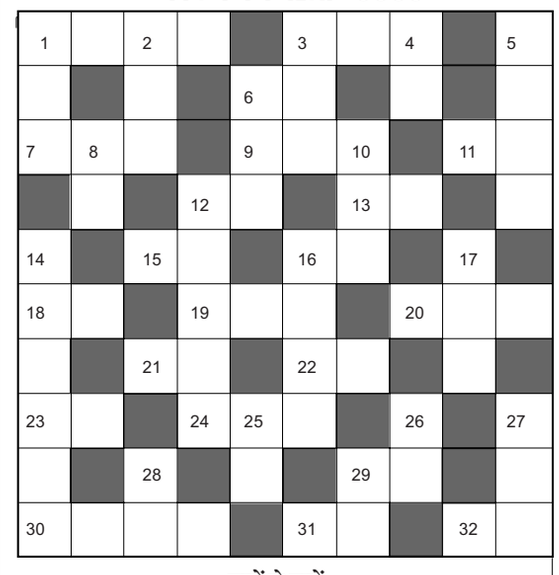

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे ?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3382

मु	सा	फि	र	■	प्या	र	ही	प्या	र
क्ति	■	जा	न	म	■	फ्ता	■	सी	■
■	प	■	■	ज	ह	र	■	शा	न
प्र	ति	ज्ञा	■	बू	म	■	उ	म	र
■	ता	■	स	र	■	फू	ल	■	सि
सा	■	खौ	फ	■	न	■	झ	■	म्हा
व	क्त	■	र	■	म	ह्म	न	ता	■
न	■	दी	■	नौ	क	र	■	ल	की
भा	ग्य	वा	न	■	■	जी	त	■	म
दो	■	ना	■	स	पू	त	■	भू	त

सूडोकु -3383

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3382 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 3383

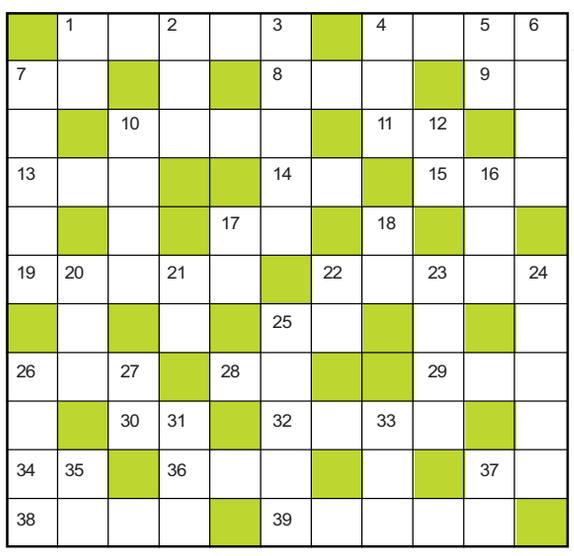

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली -3382 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	ब्बा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ज्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	रा	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

गंभीर रूप से बीमार कैदियों के लिए विशेष अभियान आयोजित

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद द्वारा रेलवे रोड, एनआईटी, फरीदाबाद स्थित पर्यवेक्षण गृह और सुरक्षा स्थल में गंभीर रूप से बीमार कैदियों के लिए एक विशेष अभियान आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम)-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), फरीदाबाद रीतू यादव के सक्षम नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें जिला इकाई टीम के समर्पित सदस्य भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यवेक्षण गृह और सुरक्षा स्थल में रह रहे व्यक्तियों के स्वास्थ्य, कल्याण और कानूनी सहायता सुनिश्चित करना था। टीम ने वहां निवास कर रहे प्रत्येक विधि विवादित बालक (सीसीएल) के साथ विस्तृत बातचीत की, ताकि गंभीर रूप से बीमार या तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले व्यक्तियों की पहचान की जा सके।

अभियान की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए बी.के. अस्पताल के एक चिकित्सा पेशेवर भी उपस्थित थे, जिन्होंने कैदियों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच और मूल्यांकन में सहायता की। इस अभियान ने कैदियों को समर्थन और सहायता प्रदान करने, उनकी स्वास्थ्य और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने, और उनकी कानूनी चिंताओं को संबोधित करने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर जिला टीम यूनिट के मेंबर रविंद्र गुप्ता डिफेंस काउंसिल सुपरिटेंडेंट ऑब्जर्वेशन होम खेल सिंह इंचार्ज ऑब्जर्वेशन होम प्रमोद शर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

इंजीनियर अतुल सुभाष आत्महत्या के विरोध में टीम पुरूष आयोग ने कैंडल मार्च निकाला

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। पूरे भारत वर्ष में पुरूषों के लिए कार्य कर रही संस्था टीम पुरूष आयोग ने फरीदाबाद के बीके चौक से नीलम चौक के बीच एआई इंजिनियर अतुल सुभाष की आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला और दो मिनट का मौन रखकर अतुल सुभाष को श्रद्धांजलि अर्पित की। टीम पुरूष आयोग के संस्थापक अध्यक्ष नरेश मेंहदीरत्ता ने अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद एक बार फिर केन्द्र सरकार से महिला आयोग, राष्ट्रीय बाल आयोग की तर्ज पर पुरूष आयोग बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मर्द को भी दर्द नहीं होता, लेकिन यह कहावत है, मर्द को भी दर्द होता है। इंजीनियर अतुल सुभाष ने कितनी प्रताडना सही है वह केवल वहीं पुरूष जान सकता है तो इन केसों में फंस प्रताड़ित हो रहा है। 84 हजार रूपए मासिक वेतन पाने वाला केवल 10 लाख रूपए ससुराल पक्ष से दहेज में मांगता है। यह कितना बड़ा सच है कि यह पूरा देश जानता है। श्री मेंहदीरत्ता ने पीड़ित पुरूषों से अपील की है कि मरना किसी समस्या का हल नहीं, मरना बिल्कुल नहीं, मरने की नौबत आए तो कोर्ट में जाकर बोल दो जेल भेजे पैसे नहीं, सिर्फ एक महीना साल का गुजारा भत्ता में होती सजा जो मारने से बेहतर है कि सजा भुगते। अगर किसी भी पीड़ित पुरूष को कोई समस्या आती है कि वह बिना झिझक उनसे 24 घंटे सम्पर्क कर सकत है।

कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन करने वालों में समाजसेविका अनुराधा, एडवोकेट राजेश खटाना, नव प्रयास सेवा संगठन के अध्यक्ष सुनील यादव, एडवोकेट रविन्द्र सिद्धू, संजीव सिद्धू, संत राम,कृष्ण कृण, गिरजेश शर्मा, जय शर्मा और अन्य के अलावा टीम पुरुष आयोग के सदस्य शामिल है।

हमारा स्वास्थ्य ही संसार में सबसे बड़ा धन होता है : राजेश चेची

हम लोगों को सही ईलाज देने में कामयाब होगें और लोगों का विश्वास भी जीतेगें: समीर कंसल, संजीव कंसल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सेक्टर 35 फरीदाबाद में अपोलो क्लिनिक का शुभारंभ वरिष्ठ नागरिक श्रीमति कमलेश कसंल व राजेन्द्र कंसल द्वारा फीता काटकर किया। इस मौके पर मुख्य रूप से एसीपी राजेश चेची उपस्थित थे। इसके अलावा एमडी समीर कंसल,संजीव कंसल,मानसा पंजाब के महापौर विजय सिंगला,पुलिस अधिकारी मुकेश खेची,भारत विकास परिषद से राजकुमार अग्रवाल,वार्ड-24 के समाजसेवी देवेन्द्र अग्रवाल(देबू) शौकत आजाद,पूर्व विधायक ललित नागर सहित शहर के सभी गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर एसीपी राजेश चेची ने कहा कि हमारा स्वास्थ्य ही संसार में सबसे बड़ा धन होता है !अगर स्वास्थ्य ठीक नही है तो करोडो की धन-माया भी बेकार है। ईश्वर ने यदि हमें रोग रूपी दु:ख दिये हैं तो उनसे बचने के हमे साधन भी दिये है। इस अवसर पर समीर कंसल और संजीव कंसल ने कहा कि पिछले काफी समय से देखा जा रहा था कि इस इलाके में ऐसे हॉस्पिटल की सख्त जरुरत थी। हमें आशा है कि हम लोगों को सही ईलाज देने में कामयाब होगें और लोगों का विश्वास जीतने में भी हमें वक्त नहीं लगेगा। उन्होनें बताया कि एक महीने तक डॉक्टर फीस, लैब टेस्ट्स और अल्ट्रासाउंड पर डिस्काउंट रहेगा. जबकि सरकार से मान्यता प्राप्त मीडिया बधुओं के लिए ओपीडी लाईफटाईम फ्री रहेगी। यहाँ मूलभूत सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जैसे की अल्ट्रासाउंड, इको, टी एम टी, एक्स रे, पैथोलॉजी टेस्ट्स इत्यादि।

हॉस्पिटल के प्रवक्ता दिनेश पाहुजा ने बताया 24 घंटे इमरजेंसी सुविधाएं और 24 घंटे फार्मेसी भी खुली रहेगी। यहाँ अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली के बहुत से सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स मरीजों का इलाज करेंगे जिनकी कंसल्टेशन फीस नामात्र रहेगी। यहाँ साइकोलोजिस्ट भी उपलब्ध रहेंगी जो बहुत ही अनुभवी और सर्टिफाइड थेरेपिस्ट हैं तथा कार्डियोलॉजिस्ट,न्यूरोलॉजिस्ट,ओर्थपेडीक,नेफ्रोलॉजिस्ट,गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, जनरल सर्जन, जनरल फिजिशियन, डेंटल, कान नाक गले के डॉक्टर और जच्चा बच्चा के डॉक्टर भी उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया की अपोलो के नाम और काम की साख बना के रखेंगे और पूरी पूरी कोशिश करेंगे की सब की उम्मीदों पे खरे उतरें।

भारत विकास परिषद नारायण शाखा द्वारा ऊनी वस्त्र एवं गर्म कंबल का वितरण

माता पिता ने हमेशा उन्हें यह संस्कार दिए कि गरीबों की हरसंभव मदद करनी चाहिए: दिनेश शर्मा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। जिस तरह गर्मी में प्यासे को पानी पिलाने से पुण्य प्राप्त होता है उसी तरह कडकडाती ठडं में गरीबों को गर्म कपड़े बांटने से पुण्य का लाभ प्राप्त होता है यह बात समाजसेवी दिनेश शर्मा ने भारत विकास परिषद नारायण शाखा द्वारा ऊनी वस्त्र एवं गर्म कंबल के वितरण कार्यक्रम के दौरान सर्वम हाउसिंग सोसायटी, सेक्टर 45 में लोगों से कही।

इस कार्यक्रम के आयोजक दिनेश शर्मा और संयोजक श्रीमती मेघना श्रीवास्तव थीं। इस अवसर पर करीब 500 जरूरतमंद लोगों को कंबल और गर्म कपड़े वितरित किए गए। इस मौके पर दिनेश शर्मा और मेघना श्रीवास्तन ने कहा कि माता पिता ने हमेशा उन्हें यह संस्कार दिए कि गरीबों की हरसंभव मदद करनी चाहिए ताकि उन्हें किसी चीज की कमी महसूस ना हो और वे जीवन से हार ना मान सकें। इसी कड़ी में वे पिछले कई वर्षो से गरीबों व बेसहारा लोगों को कम्बल व गर्म कपड़े इत्यादि वितरित करते आ रहे है ताकि ठड़ के कारण कोई बीमार या मृत्यु को प्राप्त ना हो सके। उन्होनें कहा कि गरीबों की मदद करने वाले व्यक्ति को भगवान भी अपने चरणों में आश्रय देकर उसके जीवन को सफल बनाता है। कार्यक्रम में डॉ. प्रतुल प्रियदर्शी, राकेश जैन, पंकज सक्सेना, दिनेश शर्मा, लोकेश शर्मा, प्रमोद वर्मा, शाखा सचिव प्रणव वर्मा, विनोद श्रीवास्तव और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन में पंकज सक्सेना, दिनेश शर्मा, श्रीमती अनुभा रेड्डी गुप्ता और रमेश गोयल जी का विशेष सहयोग रहा।

डॉ. बाला को इकोनोमिक टाइम्स द्वारा वेलनेस गुरु ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। एशिया के अग्रणी जीवन शैली और निवारक चिकित्सा विशेषज्ञ-डॉ. बाला को प्रतिष्ठित इकोनॉमिक टाइम्स पुरस्कार प्राप्त हुआ और हाल ही में दिल्ली में संपन्न इकोनॉमिक टाइम्स पोषण और कल्याण सम्मेलन और पुरस्कार समारोह में उल्लेखनीय वेलनेस गुरु ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

जीवनशैली और निवारक चिकित्सा के क्षेत्र में, जीवन शैली चिकित्सा के साक्ष्य आधारित अनुप्रयोग के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असंख्य लोगों के जीवन को रोगग्रस्त अवस्था से स्वस्थ अवस्था में बदलने के लिए किया गया कार्य, जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम पर आधारित जीवन शैली रणनीतियों के महत्व को बढ़ावा देने वाले सामाजिक अभियान, विशेष रूप से मोटापे पर आधारित कैंसर रोकथाम अभियान, किशोर जीवन शैली रोग निवारण अभियान और बच्चों के कल्याण पर केंद्रित बचपन के मोटापे की रोकथाम अभियान और प्रतिबंध हुक्का अभियान के लिए इकोनॉमिक टाइम्स पोषण और कल्याण सम्मेलन और पुरस्कार समारोह में उल्लेखनीय वेलनेस गुरु ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

डॉ. बाला को भारत के कुछ वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं,भारत के वरिष्ठ नौकरशाहों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ,न्यायपालिका और कानूनी बिरादरी के प्रतिष्ठित लोगों द्वारा इकोनॉमिक टाइम्स वेलनेस गुरु ऑफ द ईयर पुरस्कार प्राप्त करने के लिए और मोटापा मुक्त और रोग मुक्त समाज बनाने के लिए लगातार काम करने के लिए सराहना की।

विपुल गोयल ने उत्कृष्ट फरीदाबाद अभियान के तहत 10.17 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। सोमवार शाम को कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद के सेक्टर-7 स्थित जन कल्याण मंदिर में आयोजित भव्य समारोह में 10.17 करोड़ की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट फरीदाबाद की टैगलाइन के साथ शहर को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। विपुल गोयल ने कहा की, नॉन-स्टॉप हरियाणा की दौड़ में फरीदाबाद को अव्वल बनाना मेरा परम लक्ष्य है। आज इन विकास कार्यों की शुरुआत के साथ हमने एक और कदम फरीदाबाद को सशक्त और समृद्ध बनाने की ओर बढ़ाया है।

विपुल गोयल ने शिक्षा, सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण के क्षेत्रों में हो रहे इन विकास कार्यों को शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य न केवल शहरवासियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है, बल्कि फरीदाबाद को उत्कृष्ट बनाने के लक्ष्य को भी साकार करना है।

इस शुभ अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी योजनाओं का शुभारंभ किया गया, जिनमें सेक्टर-7, अजरोंदा गांव, सीही गांव और संत नगर के सरकारी स्कूलों में नई इमारतों और कक्षाओं का निर्माण शामिल है। इन कार्यों पर कुल 6.18 करोड़ की लागत आएगी, जिससे हजारों बच्चों को बेहतर शिक्षा और सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

सड़क और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। इनमें सेक्टर-4 औद्योगिक क्षेत्र में आरएमसी सड़क और इंटरलॉकिंग पेवर टाइल्स का निर्माण, सेक्टर-4आर पुलिस चौकी के पास सलिप रोड का निर्माण और सेक्टर-7 में टी-पॉइंट का सौंदर्यीकरण शामिल हैं। इन कार्यों पर 86.8 लाख की लागत आएगी।

इसके अतिरिक्त, सेक्टर-11 के वार्ड-33 में पार्कों के रखरखाव और सौंदर्यीकरण के लिए 12.20 लाख की लागत से धौलपुर स्टोन की मरम्मत और अन्य कार्य शुरू किए गए। इन परियोजनाओं से शहर की हरियाली और सुंदरता को और बढ़ावा मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल ने अपने संबोधन में फरीदाबाद को आदर्श शहर बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा, हम उत्कृष्ट फरीदाबाद मुहिम के अंतर्गत हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज इस शुभ घड़ी में विकास के जो बीज बोए जा रहे हैं, वे फरीदाबाद को एक सशक्त और समृद्ध शहर के रूप में स्थापित करेंगे।

जन कल्याण मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया।

नव वर्ष में तिगांव व धौज उप तहसील को मिलेंगे नए भवन

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। जिला में बेहतर प्रशासनिक ढांचागत विकास के साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सुखद माहौल प्रदान करने में प्रशासन अपना दायित्व निभा रहा है। नव वर्ष के आगाज के साथ ही जिला में जहां तिगांव व धौज उप तहसील को नए भवन निर्माण की सौगात मिलेगी वहीं पाली गांव के वन क्षेत्र में हर्बल पार्क विकसित किया जाएगा।

डीसी विक्रम सिंह ने सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में सम्बंधित अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए विकासात्मक कदमों में तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि फरीदाबाद जिला की उप तहसील तिगांव व धौज में सरकार की ओर से प्रशासनिक ढांचागत विकास करते हुए 2-2 एकड़ भूमि क्षेत्र में नए उप तहसील भवनों का निर्माण कार्य किया जाएगा जिसके लिए सरकार की ओर से अधिकृत की जाने वाली जमीन के बजट को स्वीकृत करते हुए धनराशि मंजूर कर दी गई है। डीसी ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को उक्त कार्य को निर्धारित नियमों के अनुरूप पूरा करते हुए प्रशासनिक स्वीकृति लेते हुए नए साल में उप तहसील भवनों के निर्माण कार्य को शुरू करवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि नए साल में नई भवनों के निर्माण से उप तहसील में आने वाले लोगों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सरकारी सेवाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने इस दिशा में सार्थक कदम बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

पाली वन क्षेत्र में बनेगा हर्बल पार्क : डीसी

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि जिला के गांव पाली के वन क्षेत्र में सरकार के निर्देशानुसार हर्बल पार्क विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पंचायत विभाग की ओर से हर्बल पार्क हेतु भूमि चिन्हित कर ली गई है और अब वन विभाग की ओर से हर्बल पार्क निर्माण की प्रक्रिया को पूरा करने में कदम बढ़ाए जाएं। उन्होंने कहा कि हर्बल पार्क निर्माण में साथ ही ग्रामीणों को बेहतर पर्यावरण में सुखद अनुभूति का अहसास पार्क के रूप में मिलेगा।

यह रहे मौजूद :

इस अवसर पर एसडीएम फरीदाबाद शिखा, डीडीपीओ प्रदीप कुमार, एक्सईएन पीडब्लूडी प्रदीप सिंधु, डीएफओ जलकार उयाके सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

समाधान शिविर : हरियाणा सरकार की सार्थक पहल : डीसी

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से जनसेवा को समर्पित होते हुए लगाए जा रहे समाधान शिविर जरूरतमंद लोगों की शिकायतों का निदान करने में अहम हैं। समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों के यथाशीघ्र निपटाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। प्राथमिकता के आधार पर समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है ताकि लोगों को मौके पर राहत मिल सके। डीसी लघु सचिवालय स्थित सभागार में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के उद्देश्य से हर कार्य दिवस पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहे ताकि शिकायतों का जल्द निपटारा किया जा सके।

समाधान शिविर में आई अधिकांश शिकायततों का मौके पर ही निदान किया गया। मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने इन शिकायतों के निपटारे की कार्रवाई शुरू की। समाधान शिविर में श्रम विभाग, परिवार पहचान पत्र, जनस्वास्थ्य विभाग, पुलिस, राजस्व इत्यादि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। प्रति कार्य दिवस सुबह 10 से 12 बजे तक हर नागरिक की हर शिकायत के निदान के उद्देश्य से ही समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है। डीसी ने बताया कि जिला मुख्यालय सहित उपमण्डल स्तर पर व नगर निगम कार्यालय में भी रोजाना सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर लगाकर आमजन की शिकायतों की सुनवाई करते हुए समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संपादकीय

कब होगी असली मुद्दों की बात?

भारत की राजनीति में महिलाएं राजनीतिक दलों के लिए एक सॉफ्ट टारगेट बनती जा रही हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह लगने लगा है कि महिला मतदाताओं को लुभा कर चुनावी जीत हासिल की जा सकती है। यही वजह है कि एक के बाद एक कई राज्यों में राजनीतिक दलों ने खासकर सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों ने महिलाओं के खाते में सीधे कैश पहुंचा कर सत्ता में फिर से वापसी करने में कामयाबी हासिल कर ली है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री रहने के दौरान शिवराज सिंह चौहान, लाडली बहना योजना चलाकर अपने आपको पूरे राज्य की महिलाओं के लिए भाई और बच्चों के लिए मामा के रूप में स्थापित कर चुके हैं। शिवराज सिंह चौहान सरकार के नक्शे-कदम पर चलते हुए हाल ही में महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की महायुति गठबंधन सरकार और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार ने सत्ता में जोरदार वापसी की है।

राजनीतिक दल चुनावी राजनीति के हिसाब से किस तरह से महिलाओं को सॉफ्ट टारगेट मान रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ सरकारें अब चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में एक निश्चित रकम भेजने की योजना लाते हैं और अगर संभव होता है तो एक-दो क़िस्त भेज भी देते हैं और फिर महिलाओं से यह वादा करते हैं कि अगर वे उनकी पार्टी को चुनाव जीता दें तो फिर से सरकार बनने के बाद वे उस राशि को बढ़ा देंगे। अब इसे महिला सम्मान योजना का नाम दिया जाए या लाडली बहना योजना का नाम दिया जाए या फिर कोई और नाम दिया जाए लेकिन सही मायनों में यह एक चुनावी रिश्वत से ज्यादा कुछ नहीं होता है।

हाल ही में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही किया। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना के नाम पर हर महिला के खाते में एक हजार रुपए भेजने की घोषणा की, हालांकि वे और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, दोनों ही इस बात को बखूबी समझते हैं कि चुनाव से पहले महिलाओं के खाते में पैसे जाने की संभावना बहुत ही कम है। लेकिन उस पर भी तुर्रा देखिए कि केजरीवाल ने एक तरह से महिलाओं को चुनावी लालच देते हुए यह भी घोषणा कर दी है कि विधानसभा चुनाव जीतवा दो तो इसे बढ़ाकर 2100 रुपए कर दिया जाएगा। हालांकि दिल्ली सरकार के वित्त विभाग ने इस योजना में होने वाले खर्च की राशि को लेकर कई तरह की गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में इस तरह की योजनाओं की प्रासंगिकता पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए लेकिन यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि राजनीतिक दल इसे चुनाव जीतने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करने लग गए हैं। चुनावी शोर, चुनावी वादें और चुनावी जीत की गहमा-गहमी के बीच असली मुद्दे कहीं गौण होते नजर आ रहे हैं।

सवाल यह खड़ा हो रहा है कि आखिर इस तरह की योजनाएं चुनाव के पहले ही क्यों शुरू की जाती है ? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि क्या 1000, 1500, 2100 या 3000 रुपए की राशि से सभी समस्याओं का स्थायी समाधान हो जाता है। वास्तव में एक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में फ्री शिक्षा, फ्री स्वास्थ्य और फ्री नौकरी निहित होती है लेकिन विडंबना देखिए कि सरकारों ने इन मुद्दों पर स्थायी काम करने की बजाय कामचलाऊ हल ढूंढ लिया है।

प्रतिदिन लाखों लोग ग्रहण कर रहे है पार्टी की सदस्यता : प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली

सदस्यता अभियान में अहम भूमिका निभाने वाले दस कार्यकर्ताओं को उनके घर जाकर प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने किया सम्मानित

भाजपा पार्टी की सदस्यता लेने के लिए लोगों में दिखाई दे रहा है उत्साह

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने सोमवार को सदस्यता अभियान के दौरान अहम भूमिका निभाने वाले दस कार्यकर्ताओं को उनके घर जाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की बदौलत ही आज भाजपा संगठन विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। उन्होंने कहा कि इन्ही कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर ही भाजपा ने हरियाणा में तीसरी बार जीत हासिल कर इतिहास बनाने का कार्य किया है।

प्रदेशाध्यक्ष सोमवार को सदस्यता अभियान के तहत गन्नौर स्थित प्रजापत धर्मशाला में पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि सदस्यता अभियान के तहत सोनीपत जिला को मिले टारगेट को यहां के कार्यकर्ताओं ने अपनी मेहनत व परिश्रम से पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी की सदस्यता लेने के लिए लोगों में उत्साह दिखाई दे रहा है और प्रदेश में प्रतिदिन लाखों लोग पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर रहे है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर जो तीन सक्रिय सदस्य बनाए जा रहे हैं इनमें एक बूथ पालक, एक बूथ अध्यक्ष व एक बीएलए-2 बनाया जाएगा, जो सरकार की नीतियों व योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के कार्य में अहम भूमिका निभाएंगे ताकि हर पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि वे स्वयं सदस्यता अभियान के दौरान अनेक विधानसभा क्षेत्रों में प्रवास कर चुके हैं। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष जसबीर दोदवा, भाजपा वरिष्ठ नेता देवेन्द्र कौशिक, आजाद नेहरा, जिला महामंत्री निशांत छोक्कर, गन्नौर नगर पालिका के चेयरमैन अरूण त्यागी सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिहोर में रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में 4 नामजद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव सिहोर में मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने 4 व्यक्तियों को नामजद किया है। इस बारे में परमवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 दिसंबर को रात करीब 11 बजे वह अपने रिश्तेदारों के साथ शादी समारोह में शिरकत कर घर जा रहे थे। उनके घर के समीप मनोज, अभिमन्यू, कर्मबीर व धर्मेंद्र व दो अन्य लाठी-डंडे लेकर आए ओर रास्ता रोककर मारपीट की। घायलों को अस्पताल में दाखिल कराया जहां उनका प्राथमिक उपचार कर रैफर कर दिया गया। पुलिस ने उपरोक्त चार व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

एसडीएम विरेंद्र सिंह ने समाधान शिविर लगाकर फरियादियों की सुनी समस्याएं

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी मंडी। एसडीएम विरेन्द्र सिंह ने सोमवार को उपमंडल परिसर स्थित अपने कार्यालय में समाधान शिविर लगाकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निवारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ही सरकार के निर्देशानुसार जनता के लिए सरकार की नई पहल के अन्तर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं से संबंधित शिकायतों का समाधान तत्परता के साथ किया जाए। एसडीएम विरेन्द्र सिंह ने कहा कि सरकार की ओर से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। अधिकांश योजनाएं परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड से जुड़ी हुई हैं। ऐसे में परिवार पहचान पत्र और आधार कार्ड से संबंधित लोगों की समस्याओं का समाधान तत्परता से करना जरूरी है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

एसडीएम विरेन्द्र सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जिला एवं उपमंडल सत्र पर समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, इसी कड़ी में उपमंडल स्तर पर शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि यह शिविर प्रत्येक कार्य दिवस को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक निरंतर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि समाधान शिविर का उद्देश्य आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का मौके पर समाधान करना है, ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का बराबर लाभ मिल सके और समस्याओं के समाधान से जनसाधारण को राहत पहुंचे। एसडीएम ने बताया कि समाधान शिविर में नागरिकों की मूल समस्याओं को शामिल किया जाएगा, इनमें परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड, सभी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, बिजली एवं पेयजल से संबंधित समस्याओं को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इस अवसर पर बीडीपीओ अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित लोगों पर पुत्र के आत्महत्या का आरोप लगाना निंदनीय है : सीताराम यादव

बाघोत में युवक ने शुक्रवार को घर में फांसी लगाकर की थी आत्महत्या

सोमवार सांय तक नहीं हुआ अंतिम संस्कार

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। उपमंडल के गांव बाघोत में एक 26 वर्षीय युवक ने शुक्रवार रात्रि के समय फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसकी सूचना मिलने पर कनीना सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी ओर शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए उपनागरिक अस्पताल कनीना भिजवाया था। मृतक से किसी प्रकार का नोट आदि नहीं मिला था लिहाजा पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करवा दिया। ईधर परिजन शव को रिसीव करने से पहले प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री सहित 8 लोगों पर कार्रवाई की मांग पर अडे हुए हैं। शव उप नागरिक अस्पताल के फ्रीजर में रखा हुआ है। जहां पर पुलिस का पहरा लगा हुआ है।

मृतक युवक के पिता कैलाश शर्मा ने 8 लोगों पर 26 वर्षीय युवक मोहित को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। जिस पर पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कार्रवाई कर रही है। सोमवार को ृतक का भाई, मामा व अन्य व्यक्ति अस्पताल में उपस्थित थे। पूरे प्रकरण को लेकर अटेली के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सीताराम यादव ने बाघोत निवासी कैलाश शर्मा के पुत्र मोहित द्वारा की गई आत्महत्या प्रकरण में पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा व अन्य का नाम लिये जाने को गलत करार दिया है। उन्होंने मीडिया को बयान जारी करते हुए कहा कि शर्मा के अलावा सतबीर यादव सेहलंग, रणधीर पहलवान क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति है। इस तरह की गतिविधियों में उनका कभी कोई रिकॉर्ड नहीं रहा है। ये लोग सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं तथा अटेली विधानसभा में जनप्रतिनिधि रहे है, बाघोत अटेली विधानसभा क्षेत्र का गांव है, जब वे अटेली के विधायक थे, तब कैलाश शर्मा की पत्नी ने जहरीली दवा का इस्तेमाल कर आत्महत्या का प्रयास किया था, तब भी कैलाश शर्मा ने पूर्व मंत्री रामबिलाश शर्मा सहित रणधीर पहलवान, सतबीर सेहलंग व इन्ही लोगों पर आरोप लगाने के प्रयास किए थे। अब वह अपने पुत्र मोहित की आत्महत्या प्रकरण में उनका नाम ले रहा है। बीते समय उन्होंने क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों के साथ बात कर गहराई जानने का प्रयास किया था, अब भी वे अटेली विधानसभा क्षेत्र के लोगों की निरंतर संपर्क में है। रणधीर पहलवान ने कैलाश शर्मा के किसी मकान पर कब्जा नहीं किया था, बल्कि रणधीर पहलवान व कैलाश शर्मा का आपसी लेन-देन है जिसके कागजात भी हैं। अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए इस तरह से किसी की प्रतिष्ठा धूमिल करना गलत है। कैलाश शर्मा के पुत्र ने सुसाईड किया इसका उन्हें दुख है। अब उन्हें चाहिए कि वे अपने पुत्र का कनीना अस्पताल से शव ले जाकर ससम्मान अंतिम संस्कार करे। उन्होंने लोगों से इस मामले को तूल ना देने की अपील करते हुए कहा कि प्रकरण में कानून अपना काम करेगा। इसी प्रकार पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह तथा नारनौल के विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कैलाश शर्मा द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री सहित अन्य व्यक्तियों पर बिना किसी ठोस आधार के आरोप लगाकर उनकी राजनीतिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। इस प्रकार के आरोप लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैलाश शर्मा किन लोगों के इशारे पर पूर्व शिक्षा मंत्री पर आरोप लगा रहा है ये समझ से परे है। उन्होंने कहा कि वैसे तो पूरा प्रकरण जांच का विषय है। लेकिन बगैर किसी ठोस आधार किसी का नाम लेकर उनकी छवि खराब करना गलत है। कैलाश शर्मा के लडके ने आत्महत्या की है इसका उन्हे दुख है जिस पर वह संवेदना प्रकट करते है, जिसका ससम्मान अंतिम संस्कार कर देना चाहिए।

मोडी में बिजली चोरी रोकने के लिए छापेमारी करने गई निगम की टीम पर हमला

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। बिजली चोरी पकडने गई निगम की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर घायल कर दिया। सात सद्सीय टीम में दो जेई सहित दो एलएम, दो एएफएम व एक गाडी चालक शामिल था। सभी घायलों को कनीना के उप नागरिक अस्पताल में दाखिल काया गया है। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार कर उन्हें जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया है। बिजली कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर निगम के एसडीओ उमेश वर्मा ने कनीना सदर थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने कहा कि अधिकारियों के निर्देश पर सोमवार सुबह करीब आठ बजे बिजली निगम कर्मचारियों की टीम कनीना खंड के गांव मोडी में छापा मारने गई थी। टीम में विजय कुमार जेई-1, आनंद कुमार जेई, राकेश कुमार व संदीप कुमार एएफएम, संदीप कुमार एलएम, धर्मबीर एएलएम तथा गाडी चालक बिरेंद्र शामिल था। इस टीम ने मोडी में स्थित टोलवा की ढाणी में प्रवेश की बिजली चोरी की जांच शुरू की तो सुनील,हरीश, ब्रहमप्रकाश, परमवीर, लालाराम,नरेश सहित 10 अन्य लोगों ने लाठी-डंडो से हमला बोल दिया। जिसमें वे घायल हो गए। बिजली कर्मचारी राकेश कुमार का मोबाईल फोन भी छीन लिया। सरकारी गाडी पर भी पथराव किया जिससे उसके शीशे चटक गए। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी की विडियो फुटेज उनके मोबाईल में कैद है। हरियाणा पावर कॉरपोरेशन एससी-बीसी कर्मचारी यूनियन के अतिरिक्त महासचिव सजन सिंह घटना की कडे शब्दों में निंदा की है तथा टीम पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पंचायत समिति की बैठक में विकास कार्यो की रूपरेखा तैयार की

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। पंचायत समिति कनीना की बैठक सोमवार को समिति के मिटिंग हॉल में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता पंस के चेयरमैन जयप्रकाश ककराला ने की। बैठक में विभन्न विकास कार्यों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पंचायत समिति के वाइस चेयरमैन रमेश महलावत,सद्स्य महिपाल नंबरदार, पवन कुमार, भंवर सिंह, कृष्ण कुमार, उमा देवी, सपना, मंजू यादव, प्रिया, अनीश, सोनीका, काजल, निशा, अरुण कोच सहित अन्य पंचायत समिति सदस्यों की उपस्थिति में पिछली बैठक की पुष्टि की गई। समिति सद्स्यों की सहमति से विकास कार्यों के प्रस्ताव पारित किए गए। जिन पर शीघ्र ही सकारात्मक कदम उठाए जाएगें। चेयरमैन जेपी यादव ने कहा कि बैठक में वेस्ट वाटर मैनेजमेंट की रूपरेखा तैयार की गई है जिस पर जल्द ही काम शुरू किया जायेगा।

पारा जमाव बिंदू की ओर बढने से बन रही नुकसान की संभावना

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। क्षेत्र में शीत लहर के चलते पारा जमाव बिंदू की ओर बढता जा रहा है। सोमवार को पौष मास प्रारंभ हाते ही क्षेत्र में पाला गिरा। अत्यधिक सर्दी के कारण ग्रामीण घरों में दबकने को मजबूर रहे। दूसरी ओर सूखी ठंड पडने से फसलों में नुकसान की संभावना बन रही है वहीं जनजीवन भी प्रभावित होने लगा है। बाजार में गर्म कपडों तथा गरम खाद्य पदार्थों की माग बढने लगी है।

भाजपा के बीस हजार से ज्यादा सदस्य बनाकर मोदी-रत्न बनें भाजपा नेता चौधरी जाकिर हुसैन

मोदी-रत्न बनने के बाद चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कार्यकर्ताओं व सभी साथियों का आभार जताया

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं नूँह से पूर्व विधायक चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने अपने रेफरल कोड से भाजपा से बीस हजार से ज्यादा सदस्य बनाकर मोदी-रत्न बनने का गौरव प्राप्त किया। वे नूँह विधानसभा से पहले ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने बीस हजार से ज्यादा सदस्य जोड़ने कारनामा किया है। भाजपा नेता चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने मोदी-रत्न बनने के बाद कार्यकर्ताओं व सभी साथियों जिन्होंने इस कामयाबी के लिए दिन-रात मेहनत कर घर-घर जाकर लोगों को भाजपा से जोड़ने का काम किया उन सभी का धन्यवाद व आभार जताया है।

चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि मोदी-रत्न बनने का सौभाग्य जो उन्हें प्राप्त हुआ है, वो मेवात क्षेत्र के 36 बिरादरी के सभी लोगों, कार्यकर्ताओं और नौजवान साथियों की दिन-रात की लगन व मेहनत की बदौलत संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि हमें यहीं नहीं रुकना है, ऐसे ही ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा से जोड़ने का काम करना है। हुसैन ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि जब तक समय है तब तक हमें तेजी से भाजपा से लोगों को जोड़ना है। यह प्राथमिक सदस्यता है और पार्टी की सक्रिय सदस्यता भी शुरू हो गई है। सक्रिय सदस्य वो ही व्यक्ति बन सकता है जो पचास व्यक्तियों को अपने रेफरल कोड से सदस्यता ग्रहण कराएगा।

ऐजाज खान को लक्ष्य से अधिक सदस्य जोड़ने पर मिला मोदी रत्न गौरव सम्मान

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। पुन्हना में भाजपा के सदस्यता अभियान में लक्ष्य से अधिक लोगों को पार्टी की नीतियों के बारे में अवगत कराकर पार्टी के साथ जोडने. में भाजपा नेता ऐजाज ख़ान ने रिकॉर्ड़ कायम कर मोदी रत्न का गौरव प्राप्त किया है। उनके इस बेहतर कार्य की प्रदेश स्तर पर सराहना हो रही है। लोगों को पार्टी की नीयत व नीति के बारे में अवगत कराकर उनका दिल जीतने में ऐजाज ख़ान ने पहला स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धी से जहां पार्टी में उनका रुतबा बढ़ा है वहीं लोगों में उन्होंने मजबूत पकड़ भी बनाई है। ऐजाज ख़ान ने बताया कि पार्टी ने उन्हें भाजपा सदस्यता अभियान के तहत लोगों को पार्टी के साथ जोडने. के लिए 20 हजार लोग जोडने. का लक्ष्य दिया गया। जिसमें उन्होंने 20,139 नए सदस्यों को जोडने. का काम किया है। उनकी इस रिकॉड़ तोड़ उपलब्धी से पार्टी ने उन्हें मोदी रत्न के गौरव से सम्मानित किया है। ऐजाज ख़ान का कहना है कि पार्टी के लिए सिपाही की तरह इमानदारी व लगन से काम करुंगा। पार्टी की जन कल्याणकारी नीतियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

2.5 लाख जानवरों की सामूहिक बलि, बचाने में जुटा भारत

नई दिल्ली। नेपाल में हर पांच साल में गढ़ीमाई का मेला होता है जहां लाखों जानवरों की सामूहिक बलि दे दी जाती है। सशस्त्र सीमा बल और स्थानीय प्रशासन ने इस बार जानवरों को बचाने के लिए दिन रात एक कर दिया। बता दें कि नेपाल के बारा जिले के बरियारपुर गांव में हर पांच साल में यह मेला लगता है जिसमें लाखों जानवरों की सामूहिक बलि दे दी जाती है। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि बलि के लिए नेपाल ले जाए जाने वाले जानवरों को बचाया जाए। जानकारों के मुताबिक इस मेले में महीनेभर में करीब 2.5 लाख से पांच लाख जानवरों की बलि दे दी जाती है। बताया जाता है कि 265 सालों से गढ़ीमाई का यह उत्सव होता है। जानकारी के मुताबिक भारतीय सुरक्षाबलों और प्रशासन की सतर्कता की वजह से कम से कम 750 जानवरों को बचाया गया है जिनमें भैंसें, बकरियां, भेड़ और अन्य जानवर शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक इस बार दो ही दिन में 8 और 9 दिसंबर को गढ़ीमाई के मंदिर में 4200 भैंसों की बलि दे दी गई।नेपाल के भी सुप्रीम कोर्ट ने 2019 में जानवरों की बलि रोकने का आदेश दिया था। बताया गया कि बलि के लिए ज्यादातर जानवर खरीदे जाते हैं। जानकारों का कहना है कि लोग मन्नत पूरी होने के लिए गढ़ीमाई के मंदिर में बलि देते हैं। विश्व में सबसे ज्यादा बलि इसी मंदिर में होती है।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरा और ठंड ने बढ़ाई मुश्किलें

- 18 और 19 दिसंबर को भी तापमान में गिरावट की संभावना

नई दिल्ली ।एनसीआर में लगातार ठंड बढ़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार 17 दिसंबर से कोल्ड वेव की वजह से न्यूनतम और अधिकतम तापमान में गिरावट की संभावना है। सोमवार को सुबह ही एनसीआर में हल्का कोहरा देखा गया, जिसके बाद से ठंड और कोहरे की स्थिति गंभीर होने की संभावना है। मंगलवार से अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4 डिग्री तक जा सकता है। 17 दिसंबर को कोहरे की शुरुआत होने की संभावना है, जिसके साथ-साथ अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम तापमान 5 डिग्री रहने की संभावना है। 18 और 19 दिसंबर को भी तापमान में गिरावट की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि 20 दिसंबर के बाद अचानक मौसम फिर बदल सकता है और घना कोहरा संभावित है। वाहन चालकों को सड़कों पर सावधान रहने की सलाह दी जा रही है। इस बदलते मौसम के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले प्रभावों को ध्यान में रखकर सभी लोग सावधान रहें। मौसम के अनुसार बदलाव का सामना करने के लिए तैयार रहें और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

बच्चे नहीं हो रहे, तांत्रिक के कहने पर युवक ने जिंदा चूजा निगल लिया... हो गई मौत

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा से अजीबोगरीब और दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने तंत्र मंत्र के चक्कर में जिंदा चूजा निगल लिया। इसके बाद युवक की अचानक से तबीयत खराब हो गई। आनन-फानन में युवक को अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पहले डॉक्टरों को लगा कि शायद हार्टअटैक से युवक की मौत हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम करने पर युवक के गले में मरा हुआ चूजा फंसा मिला। मामला अंबिकापुर का है। मृतक की पहचान छिंदकालो गांव निवासी 36 वर्षीय आनंद कुमार यादव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि शादी के पांच साल बीतने बाद भी बच्चे नहीं हो रहे थे। इससे वह परेशान रहने लगा था। तब युवक को किसी ने एक तांत्रिक से इलाज करवाने की सलाह दी। इसके तांत्रिक ने ही युवक को जिंदा चूजा निगलने के लिए कहा था। जिससे उसकी मौत हो गई।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के परिसर को किया गया सील, जहरीली गैस फैलने से 12 छात्राएँ हुई थीं बेहोश

जयपुर । जयपुर नगर निगम ने कोचिंग संस्थान में हुई घटना पर कार्रवाई कर उस परिसर को सील कर दिया है, जहां से उत्कर्ष कोचिंग सेंटर संचालित हो रहा था। शहर के उत्कर्ष कोचिंग में जहरीली गैस फैलने से 12 छात्राएँ बेहोश हुई थीं। जिसके बाद छात्राओं को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं दो की हालत गंभीर हो गई, जिन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया। बता दें कि उत्कर्ष कोचिंग शहर के गोपालपुरा इलाके में चलता था। घटना के बाद पुलिस ने बताया कि कोचिंग में गैस का स्रोत नहीं है। वहीं जांच के दौरान ये पता चला है कि कोचिंग के पीछे वाले नाले से जहरीली गैस फैली थी, जिससे कोचिंग की 12 छात्राएं बेहोश हो गईं। जहरीली गैस से बेहोश होने वाले 12 छात्रों में से सात को सोमानी अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है, वहीं डॉक्टर ने बताया कि इनमें से दो छात्राओं की स्थिति गंभीर होने की वजह से उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। जबकि पांच छात्राओं का इलाज मानसरोवर स्थित मेट्रो मास अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने कहा कि इस कोचिंग की सभी खिड़कियां बंद थीं। और क्लास के दौरान दरवाजा भी बंद था। कोचिंग में जहरीली गैस का कोई उपकरण नहीं है और कोई गैस पाइपलाइन भी नहीं है। इस घटना पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने लिखा है कि ये बेहद चिंताजनक घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए।

ट्रैक्टर चोरी के शक में शख्स की पीट-पीटकर हत्या

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में ट्रैक्टर चोरी के शक में एक शख्स की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मामले में ट्रैक्टर मालिक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने युवक को बचाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान शंभू साहनी के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा, यह घटना योगियां गांव में हुई, जब ट्रैक्टर चोरी के शक में एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

बिहार में विधानसभा चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाए, नीतीश कुमार भी साथ आएं

-सांसद पप्पू यादव ने कहा-हमारी सरकार बनेगी तो प्राइवेट नौकरी में आरक्षण देंगे

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया सांसद राजेश रंजन ऊर्फ पप्पू यादव ने कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़े भाई की भूमिका निभाए। चुनाव कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा जाना चाहिए। बिहार में क्षेत्रीय पार्टियों को हरियाणा और महाराष्ट्र से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने इच्छा जताई कि सीएम नीतीश कुमार भी साथ आएं, लेकिन गठबंधन में किसे शामिल किया जाए यह राहुल गांधी तय करें।

पप्पू यादव ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ अगर किसी में लड़ने की ताकत है तो वह राहुल और प्रियंका गांधी में ही है। इसलिए बिहार में गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस करे। कांग्रेस बिहार में 15 जनवरी के बाद से अपने संगठन का विस्तार करने के साथ ही उसे मजबूत करेगी। पेपर लीक मामले पर पप्पू यादव ने कहा कि बिहार में पेपर लीक एक पर्याय बन गया है। नालंदा जुर्म का केंद्र बन गया है। जितने पेपर लीक हो रहे, उसमें नालंदा ही केंद्र बिंदु है। दो दिन पहले भी बच्चों को पेपर नहीं दिए गए, ताला लगा दिया। जिन्हें माफिया ने सेंटर भेजा, टीचर की भूमिका निभाई, उसी को आंसर लिखाया गया। पढ़ने वाले बच्चे इससे वंचित रह गए।

पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी जिन मुद्दों को लोकसभा में उठाते रहे हैं, वही मुद्दे मेरे भी हैं। हमारी सरकार बनेगी तो हम प्राइवेट नौकरी में आरक्षण का प्रावधान करेंगे।

सभी ठेकेदारी में 40 फीसदी बेरोजगार युवाओं के लिए 10 लाख रुपए तक के ठेके को आरक्षित करेंगे। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह राज्य सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने कहा कि पार्टी 2025 का रोडमैप बनाकर आगे की रणनीति तय करेगी। पप्पू यादव ने रविवार को पार्टी के पटना कार्यालय में आयोजित प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्षों और जिला प्रभारी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सदस्यता महाअभियान के तहत दिसंबर तक 10 लाख सदस्य बनाना था, जिसके करीब पार्टी पहुंच चुकी है।

सदस्यता महाअभियान की तिथि बढ़ा कर 31 जनवरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का जिला सम्मेलन वहीं होगा, जिससे जुड़े विधानसभा क्षेत्र में पार्टी मजबूत हो।

प्रदेश अध्यक्ष ने लोजपा (पारस) महिला प्रकोष्ठ की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्मिता शर्मा को उनके समर्थकों के साथ सदस्यता दिलाई।

सत्येंद्र जैन के मानहानि मामले में कोर्ट ने बांसुरी स्वराज को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को आपराधिक मानहानि का नोटिस जारी कर दिया है। सांसद बांसुरी के खिलाफ यह याचिका आम आदमी पार्टी के नेता, पूर्व मंत्री और विधायक सत्येंद्र जैन द्वारा दायर की गई थी जिसके बाद कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। आप नेता जैन ने आरोप लगाया है कि बांसुरी ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टेलीविजन साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। अदालत ने सांसद बाखुरी को 20 दिसंबर को पेश होने को कहा है। बांसुरी स्वराज व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से पेश हो सकती हैं। इसी तारीख को अदालत मामले में सत्येंद्र जैन और उनके दो गवाहों के बयान दर्ज करेगी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है, बांसुरी ने 5 अक्टूबर, 2023 को एक टीवी चैनल पर एक इंटरव्यू के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। आप नेता जैन ने दावा किया है कि यह टिप्पणी स्वराज ने उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक फायदा हासिल करने के लिए की थी। उन्होंने कहा, बांसुरी ने झूठा दावा किया कि उनके घर से 3 करोड़ रुपये बरामद हुए और उनके घर से 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए थे।

संभल में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 लापता हुए तीर्थों को तलाश रही पुलिस

संभल (एजेंसी)। संभल में सैकड़ों साल पुरानी मूर्ती मिलने से जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। सरकारी रिकॉर्ड में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 तीर्थ लापता है। प्रशासन ने इसे सूचीबद्ध करके इनकी तलाश शुरु कर दी है। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि यहां पर चार तरह की कार्रवाई की जा रही है। पहली यह है कि जो शुरुआत में ही बताया गया कि संभल में 19 कूप, 36 पुरवे, 52 सराय और 68 तीर्थ हैं। इनकी खोज करने में पूरी टीम लगी हुई है। दूसरा जो अस्थायी अतिक्रमण नालियों आदि पर किया गया है, उन्हें हटाया जा रहा है। स्थायी अतिक्रमण को नोटिस देने के बाद पूरी प्रक्रिया के तहत हटाया जाएगा। तीसरा बिजली चोरी के खिलाफ एक्शन है। बिजली चोरी में अभी तक पांच करोड़ का एसेसमेंट बनाया गया है। बिजली चोरी रोकने केलिए आर्मड केबल लगाया जा रहा है। चौथा प्लान गैरकानूनी गतिविधियों पर एक्शन की तैयारी है।

वहीं, बीते रोज मिले मंदिर को लेकर डीएम ने बताया कि वहां पर सीसीटीवी लगा दिए गए हैं। पुलिस टीम भी सुरक्षा में लगा दी गई है। अतिक्रमण को लेक डीएम ने कहा कि कोई भी तालाब सार्वजनिक संपत्ति होती है। सुप्रीम कोर्ट भी कहता है कि इनकी सुरक्षा बहुत जरूरी है। जिसने भी तालाब पर अतिक्रमण किया है उन्हें नोटिस देकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि 24 नंवबर को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान यहां हिंस भड़क गई थी। इस हिंसा में गोली लगने से चार युवकों की मौत हो गई थी। इसी के बाद पुलिस ने बड़े पैमाने पर एफआईआर दर्ज की और धरपकड़ का अभियान चलाया है। इसी के तहत यहां पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान में शनिवार को बड़े पैमाने पर बिजली चोरी पकड़ी गई।

ईवीएम को लेकर उमर अब्दुल्ला के बदले स्वर, गठबंधन में मतभेद?

कांग्रेस बोली-अपने तथ्यों की करें जांच, सहयोगियों के साथ ऐसा दृष्टिकोण क्यों?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईवीएम को लेकर अब गठबंधन में मतभेद सामने आ गए हैं। कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला की ईवीएम पर टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम बनने के बाद गठबंधन सहयोगियों के प्रति उनके दृष्टिकोण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीएम उमर ने कहा कि आपको ईवीएम से दिक्कत कैसे हो सकती है और फिर भी आप चुनाव लड़ते रहें। अगर आपको ईवीएम पर भरोसा नहीं है, तो आपको चुनाव नहीं लड़ना चाहिए। आप यह नहीं कह सकते कि अगर मैं जीत गया तो चुप रहूंगा और हार गया तो ईवीएम में कुछ गड़बड़ है।

कांग्रेस ने कहा कि समाजवादी पार्टी, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना (यूबीटी) ने ईवीएम के खिलाफ बात की थी, क्योंकि उन्होंने वोटिंग पद्धति पर पार्टी के रुख पर सवाल उठाने के लिए सहयोगी उमर अब्दुल्ला पर पलटवार किया। सोमवार को तीखे शब्दों वाले पोस्ट में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला को ट्वीट कर कहा कि यह समाजवादी पार्टी, एनसीपी और शिवसेना यूबीटी हैं जिन्होंने ईवीएम के खिलाफ बात की है। कृपया अपने तथ्यों की जांच करें। कांग्रेस सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव में स्पष्ट रूप से केवल ईसीआई को संबोधित किया गया है। सीएम बनने के बाद हमारे सहयोगियों के साथ ऐसा दृष्टिकोण क्यों?

उमर अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस इंडिया ब्लॉक का हिस्सा है और कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में पार्टी की गठबंधन सहयोगी है। यह घटनाक्रम कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के एक अन्य सहयोगी के बीच टकराव का एक और बिंदु है। हरियाणा और महाराष्ट्र में हार के बाद, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर चिंता जाते हुए बैलेट पेपर से मतदान कराने की वकालत की है। उमर अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कांग्रेस की आपत्ति को खारिज करते हुए कहा कि वोटिंग मशीनें केवल तभी समस्या नहीं हो सकतीं जब आप चुनाव हार जाते हैं।

अब्दुल्ला ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब आपके 100 से ज्यादा सांसद एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव परिणाम उस तरह से नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। उमर ने अपना खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि जब वे इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव हार गए थे, तो उन्होंने कभी भी ईवीएम को दोष नहीं दिया।

इस मौके का फायदा उठाते हुए बीजेपी ने सीएम उमर अब्दुल्ला की टिप्पणी का इस्तेमाल कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए किया। बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस के जीतने पर ईवीएम अच्छी नहीं हो सकती और हारने पर खराब। राहुल गांधी लगातार हारे हुए व्यक्ति की तरह दिख रहे हैं, जिनके साथ कोई खड़ा नहीं होना चाहता।

हिमाचल में 31 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का सीएम सुक्खू ने किया उद्घाटन

सोलन। हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोलन जिले के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 31 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सीएम सुक्खू ने क्षेत्र की प्रगति के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और भरोसा दिलाया कि वित्तीय समस्याएं क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं बनेंगी। सीएम सुक्खू ने मित्तियां, बेहली, खल्लर और आसपास के क्षेत्रों के गांवों के लिए 7.24 करोड़ रुपए की लागत वाली पेयजल योजना का भी उद्घाटन किया। उन्होंने नालागढ़ के लिए 5.22 करोड़ रुपए लागत से निर्मित सात नलकूपों और क्षेत्र में 4.82 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल सुधार परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया। उन्होंने तीन पुलों की आधारशिला रखी, जिनमें 5.77 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला कोटला कलां पुल, 4.44 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला रेतार खड्ड पुल और 3.51 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाला भटौली खड्ड पुल शामिल हैं।

उद्धव और राज समझ गए बंटेंगे तो कटेंगे- दोनों भाईयों में बन रही सुलह की संभावना

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र चुनाव में बंटेंगे तो कटेंगे का नारा खूब उछला था। किसी ने इस नारे पर भरोसा किया हो या न किया हो। पर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर इसका प्रभाव जरुर दिखाई देता नजर आ रहा है। यदि सबकुछ ठीक रहा तो आने वाले बीएमसी चुनाव में दोनों भाई साथ आ सकते हैं। हाल ही में एक पारिवारिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे की एंट्री ने परिवार में सुलह के संकेत दिए हैं। इस कार्यक्रम में शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे भी पहुंचे थे। हालांकि, इसे लेकर दोनों ही नेताओं ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

दरअसल, रविवार को उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे के भांजे शौनक पातंकर की शादी में राज पहुंचे थे। इसके साथ ही अटकलें शुरू हो गईं कि दोनों भाई सियासी मैदान में हाथ मिला सकते हैं। बांद्रा पश्चिम के ताज लैंड्स एन्ड में हुए कार्यक्रम में कई बड़े राजनेता पहुंचे थे। चर्चाएं हैं कि राज और उद्धव मतभेद भुलाकर आगामी निकाय चुनाव के लिए साथ आ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ही दलों के कार्यकर्ता सुलह की बात पर जोर दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि दोनों नेताओं का साथ आना मराठी मतों को एकजुट कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि राज के शादी समारोह में पहुंचने को उद्धव की तरफ से शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने के तौर पर देखा जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि राज समारोह के दौरान रश्मि और उनकी मां से मिले थे। हालांकि, उनकी मीटिंग आदित्य ठाकरे से नहीं हो सकी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि शिवसेना यूबीटी और मनसे के बीच जारी सियासी तनातनी मराठी वोट बंटने का कारण बन रही है। राज और उद्धव आंतरिक कलह के चलते साल 2006 में अलग हो गए। राज ने मनसे का गठन किया। वहीं, उद्धव को अविभाजित शिवसेना की कमान मिली थी।

फिर बढ़ने लगा बिहार में पकड़ौआ विवाह का चलन

पटना (एजेंसी)। पकड़ौआ विवाह की परंपरा अब बिहार के कई जिलों में फिर से चर्चा में है। साल 2024 में, इस परंपरा में अचानक इजाफा देखा गया है। हाल ही में बेगूसराय जिले के एक बीपीएससी शिक्षक का पकड़ौआ विवाह हुआ है।

यह घटना बिहार में पकड़ौआ विवाह के बढ़ते मामलों की ओर इशारा करती है, और समाज में इसके प्रभाव को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इस प्रकार की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार और समाज को सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। यह घटना तब सामने आई जब शिक्षक ने अपनी चार साल पुरानी प्रेमिका से शादी करने से इनकार कर दिया। लड़की पक्ष के लोगों ने गुस्से में आकर उसे पकड़ लिया और मंदिर में उसकी शादी करवा दी। यह मामला कटिहार जिले का है, जहां बीपीएससी शिक्षक अवनीश कुमार ने अपनी प्रेमिका गुंजन से लंबे समय तक रिश्ते में रहने के बावजूद शादी से मना कर दिया।

लड़की के परिवार वालों ने इस इनकार से नाराज होकर अवनीश का अपहरण कर लिया और एक मंदिर में उसकी शादी करवा दी। शादी के बाद जब लड़की अपने ससुराल पहुंची, तो लड़के के परिवार ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया, और मारपीट का आरोप भी लगाया। लड़की ने इस पूरे घटनाक्रम के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, और न्याय की गुहार लगाई है। हालांकि, शिक्षक अवनीश कुमार ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि लड़की का उनके साथ कोई प्रेम संबंध नहीं था और उसे बार-बार परेशान किया जाता था। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनका अपहरण किया गया और जबरन शादी करवाई गई।

पकड़ौआ विवाह का इतिहास बिहार में 1980 के दशक से जुड़ा हुआ है, खासकर मिथिलांचल के क्षेत्रों जैसे बेगूसराय, दरभंगा और मधुबनी जिलों में। इस परंपरा में शादी के लायक लड़के का अपहरण किया जाता है और फिर उसे धमकाकर विवाह के बंधन में बांध दिया जाता है। 1990 के दशक में इस परंपरा में कमी आई, लेकिन 2024 में इसके मामलों में फिर से वृद्धि देखने को मिली है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मिथिलांचल समेत बिहार के 18 जिलों में 2024 में 70 से अधिक पकड़ौआ विवाह हो चुके हैं।

क्या 2013 की तरह इस बार महाकुंभ में पीएम उम्मीदवार के नाम पर लगेगी मुहर?

-योगी के नाम पर सभी की रजामंदी, सार्वजनिक रुप से अभी नहीं होगा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत स्तर के एक पदाधिकारी बताया कि प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में बीजेपी के अगले पीएम उम्मीदवार के नाम का प्रस्ताव आ सकता है। वे बताते हैं कि योगी आदित्यनाथ के नाम पर सभी की रजामंदी है। अभी लोकसभा चुनाव दूर हैं, इसलिए सीधे तौर पर उनके नाम का ऐलान नहीं होगा। योगी को प्रोजेक्ट करने की पूरी तैयारी चल रही है।

महाकुंभ 13 जनवरी, 2025 से शुरू होगा। 12 साल पहले प्रयागराज में ही आरएसएस ने नरेंद्र मोदी का नाम संतों के सामने रखा था। उनके समर्थन के बाद नरेंद्र मोदी को बीजेपी का पीएम उम्मीदवार घोषित किया गया था। क्या इस बार भी ऐसा ही योगी आदित्यनाथ के लिए होगा।

मीडिया रिपोर्ट से सामने आया है कि लोकसभा चुनाव हों या विधानसभा चुनाव, योगी आदित्यनाथ का नाम बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल है। वे राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड से लेकर साउथ में तमिलनाडु और तेलंगाना तक चुनावी रैलियां कर चुके हैं। हाल ही में हुए महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे का असर भी दिखा। यहां उन्होंने 11 रैलियां कर 17 उम्मीदवारों के लिए वोट मांगे थे। इनमें 15 चुनाव जीत भी गए। योगी ने ये नारा यूपी में 9 सीटों पर हुए उपचुनाव के दौरान बार-बार दोहराया था। पीएम मोदी ने 5 अक्टूबर को ठाणे और वाशिम में हुई रैलियों में अलग ढंग से यही बात कही थी।

आरएसएस के पदाधिकारी बताते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे का नारा भले योगी के मुंह से निकला हो, लेकिन इसके पीछे आरएसएस ही है। ये आरएसएस की शाखाओं में गाया जाने वाला बहुत पुराना गीत है। इसे आजादी के समय से गाया जा रहा है। ये गीत था- इतिहास कहता है कि हिंदू भाव को जब-जब भूले, आई विपदा महान, भाई छूटे, धरती खोई, मिटे धर्म संस्थान।

यही बात मथुरा की बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने कही थी। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज में एकता नहीं रहेगी, तो आजकल की भाषा में बंटेंगे तो कटेंगे हो सकता है। कुंभ में इस बार हिंदू एकता की चर्चा होगी, क्या किसी बड़े मुद्दे पर चर्चा होगी या फिर कोई बड़ा फैसला लिया जाएगा? इस पर होसबोले ने कहा कि इसकी चर्चा तो हम कई साल से कर रहे हैं। ये हमारे करिकुलम में बहुत पहले से है। इस बार चर्चा आरएसएस के उस गीत को दोबारा चर्चा में लाने वाले की होगी। चर्चा होगी कि देश का भविष्य किसके हाथों में सुरक्षित रहेगा। चर्चा होगी कि नया सूर्य कौन होगा।

आरएसएस के पदाधिकारी ने कहा कि ये सब उस तरह नहीं होगा, जैसे मोदी के नाम पर मुहर लगी थी। तब कुंभ के अगले साल लोकसभा चुनाव थे। इसलिए पीएम पद के लिए चेहरे पर पक्की मुहर के लिए उस आयोजन से बेहतर कोई और वक्त नहीं था। इतने बड़े स्तर पर हिंदू समाज के संगठन और साधु-संतों का जमावड़ा फिर कहां मिलता। इस बार कुंभ और चुनाव के बीच चार साल का फासला है। नाम पर तो चर्चा होगी, लेकिन सभी संगठनों के बीच एक प्रस्ताव की तरह इसे लाया जाएगा।। पदाधिकारी ने कहा कि सूची में अब तक तो योगी ही हैं।

संक्षिप्त समाचार

यासमीन कराचीवाला ने दुल्हनों के लिए बताये शादी के दिन सबसे खूबसूरत दिखने के टिप्स

मुंबई। हर दुल्हन की ख्वाहिश होती है कि वह अपनी शादी के दिन सबसे खूबसूरत और आत्मविश्वास से भरी नजर आए, और यह पूरी तरह से सही है। हालांकि, शादी की तैयारियों में ढेर सारे कामों के बीच खुद की सेहत और फिटनेस अक्सर पीछे रह जाती है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि थोड़ा सा ध्यान और सही दिशा में किया गया प्रयास आपको न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी तैयार कर सकता है फिटनेस कोच और पिलेट्स एक्सपर्ट यासमीन कराचीवाला अपनी कुछ खास टिप्स शेयर कर रही हैं, जिनकी मदद से हर दुल्हन खुद को आत्मविश्वास से भरपूर और दमकता हुआ महसूस कर सकती है- समझदारी से खाने का मतलब यह बिल्कुल भी नहीं कि आप भोजन करना छोड़ दें या क्रैश डाइटिंग करें। बल्कि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिये, जिसमें आवश्यक पोषक तत्व हों। स्मार्ट स्नैकिंग के लिए कैलिफोर्निया आमंड एक बेहतरीन विकल्प हैं। 200 से ज्यादा प्रकाशित अध्ययनों के अनुसार, बादाम में 15 पोषक तत्व जैसे विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, राइबोफ्लेविन और जिंक होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं। कैलिफोर्निया आमंड विशेष रूप से प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जो न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि मांसपेशियों के विकास और रखरखाव में भी मदद करता है। आप बादाम को भूनकर खा सकती हैं या इन्हें भारतीय मसालों/स्पाइस के साथ मिला सकते हैं। क्योंकि बादाम ऊर्जा का खजाना हैं, ये आपको एनर्जी से भरपूर महसूस कराएंगे।

खुलते ही पूरा भर गया था आईपीओ, 51 प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स के मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन में सक्रिय कंपनी हैम्प्स बायो लिमिटेड का आईपीओ 13 दिसंबर को निवेश के लिए ओपन हुआ था। यह इश्यू 17 दिसंबर को बंद होगा। इसका प्राइस बैंड 51 रुपये तय किया गया है। इस एसएमई इश्यू को पहले दिन पूरी तरह से सब्सक्राइब किया गया था। पहले ही दिन इसको 10.61× सब्सक्राइब कर लिया गया था। शेयर आवंटन 18 दिसंबर को किया जाएगा। सफल बोलीदाताओं के डीमैट खाते में हैम्प्स बायो शेयरों का क्रेडिट किया जाएगा। हैम्प्स बायो लिमिटेड के शेयर 20 दिसंबर को बीएसई एसएमई पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

इन्वेस्टरगेन के अनुसार, हैम्प्स बायो के शेयर ग्रे मार्केट में 40 रुपये प्रति शेयर प्रीमियम पर हैं। इसका मतलब है कि कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग कीमत 91 रुपये होगी। यानी लिस्टिंग पर करीबन 79 प्रतिशत का मुनाफा हो सकता है।

क्या है डिटेल- हैम्प्स बायो आईपीओ का प्राइस बैंड 51 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। रिटेल निवेशकों को एक लॉट में कम से कम 2,000 शेयर खरीदने होंगे, जिससे न्यूनतम निवेश राशि 1,02,000 रुपये हो जाएगी। बिगशेयर सर्विसेज प्रा. को हैम्प्स बायो आईपीओ के लिए रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। मारवाड़ी चंदराना इंटरमीडियरीज ब्रोकर्स प्रा. इश्यू और प्योर ब्रोकी के बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

हैम्प्स बायो लिमिटेड व्यवसाय और वित्तीय हैम्प्स बायो लिमिटेड 50 से अधिक वितरकों और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के नेटवर्क के माध्यम से टैबलेट, सिरप, कैप्सूल, इंजेक्शन, तेल और पोषण संबंधी पूरक सहित फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स का डिस्ट्रिब्यूशन करता है। इन प्लेटफार्मों में अमेजन (यूएस, कनाडा, ईयू), फ्लिपकार्ट और जियो मार्ट शामिल हैं। फार्मा उत्पाद भारत भर के आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बेचे जाते हैं।

बिहार में जहानाबाद की सीमा सिंह को जानते हैं, जिन्होंने मुंबई के वर्ली में 185 करोड़ का अपार्टमेंट खरीदा!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महंगे प्रॉपर्टी का सबसे बड़ा बाजार है मुंबई। वहां 3-4 सौ करोड़ रुपये के फ्लैट बिकने की ऐसे खबर आती है, जैसे यहां महंगे हीरे के हार बिकने की खबर आती है। अभी पिछले दिनों ही मुंबई के वर्ली इलाके में रियल एस्टेट का एक बड़ा सौदा हुआ है। यह सौदा अलकेम लैबोरेटरी लिमिटेड के प्रमोटर परिवार की बहू सीमा सिंह ने किया है।

कौन हैं सीमा सिंह- महाराष्ट्र की एक दवा कंपनी है अल्केम लैबोरेटरीज। इसके प्रमोटर हैं बिहार में जहानाबाद के रहने वाले संप्रदा सिंह और उनके छोटे भाई बासुदेव नारायाण सिंह। इस परिवार की दूसरी पीढ़ी के सदस्य हैं मृत्युंजय सिंह। उनकी पत्नी हैं सीमा सिंह। आजकल सीमा सिंह सुर्खियों में हैं। उनकी सुर्खियों में रहने की वजह है कि उन्होंने मुंबई के वर्ली में एक आलीशान

सी-व्यू अपार्टमेंट खरीदा है। इसके लिए 185 करोड़ रुपये की भारी भरकम रकम चुकाई गई है।

कौन है इस प्रोजेक्ट का डेवलपर- मुंबई का वर्ली सी फेस पर बन रहे एक सुपर-प्रीमियम रेजिडेंशियल टावर बन रहा है। इसका नाम है लोढ़ा सी फेस। इसी प्रोजेक्ट में सीमा सिंह ने 185 करोड़ रुपये का एक आलीशान सी-व्यू अपार्टमेंट खरीदा है। यह सौदा इस साल मुंबई के दूसरे सबसे बड़े लग्जरी अपार्टमेंट सौदे के रूप में दर्ज हुआ है। सिंह ने यह अपार्टमेंट प्रोजेक्ट डेवलपर मैक्रोटेक डेवलपर्स से सीधे खरीदा है। इस डील में उन्हें 9 कार पार्किंग स्लॉट भी मिलेंगे।

सीमा सिंह ने जो अपार्टमेंट खरीदा है, वह टावर की 30वीं मंजिल पर स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 14,000 वर्ग फुट है। यह अपार्टमेंट अरब सागर का खूबसूरत नज़ारा पेश करता है। लोढ़ा सी फेस मुंबई के सबसे पॉश इलाकों में से एक, वर्ली सी फेस पर स्थित है। यह इलाका अपने आलीशान अपार्टमेंट्स और ऊंची इमारतों के लिए जाना जाता है।

रजिस्ट्री के लिए चुकाई 9.25 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी

सीमा सिंह ने हाल ही में कंपनी में अपनी 0.3 प्रतिशत हिस्सेदारी के 3.58 लाख से अधिक शेयर बेचे थे। इससे उन्हें 177 करोड़ रुपये मिले। उसमें कुछ और रकम मिला कर यह अपार्टमेंट खरीदा गया है। इस सौदे की रजिस्ट्री बीते बुधवार को मुंबई में हुई। इसकी रजिस्ट्री के लिए सीमा सिंह ने 9.25 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई है। यह खबर हमारे सहयोगी ईटी द्वारा एक्सेस किए गए रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स से मिली है।

कोई नया नहीं है यह महंगा सौदा

हमें-आपको यह सौदा भले ही बेहद महंगा लग रहा हो। लेकिन मुंबई के पॉश इलाकों में यह आम है। इसी साल अप्रैल में मुंबई के मालाबार हिल स्थित लोढ़ा मालाबार में 270 करोड़ रुपये में एक प्रॉपर्टी का सौदा हुआ था, जो इस साल का सबसे बड़ा लग्जरी अपार्टमेंट सौदा था। वहीं, देश का अब तक का सबसे महंगा सौदा 2023 में हुआ था, जब गर्भनिरोधक निर्माता फेमी केयर के संस्थापक, उद्योगपति जेपी तपरिया के परिवार ने मालाबार हिल में ही उसी टावर में 369 करोड़ रुपये से अधिक में एक सी-व्यू लग्जरी ट्रिप्लेक्स अपार्टमेंट खरीदा था। ये सभी सौदे मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाते हैं।

महाराष्ट्र में महिलाओं को छूट

महाराष्ट्र सरकार ने साल 2021 में महिला होमबायर्स के लिए स्टांप ड्यूटी में 1 प्रतिशत की छूट की घोषणा की थी। इस योजना के तहत, एक महिला होमबायर को मुंबई में सौदे के रजिस्ट्रेशन के लिए 5 प्रतिशत स्टांप ड्यूटी देनी होती है। इसी योजना का लाभ उठाते हुए, सीमा सिंह ने 9.25 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया।

मुंबई देश का सबसे महंगा प्रॉपर्टी मार्केट

मुंबई, देश का सबसे बड़ा और सबसे महंगा प्रॉपर्टी मार्केट, प्रॉपर्टी सौदों के मामले में लगातार रिकॉर्ड बना रहा है। दक्षिण और मध्य मुंबई, जहाँ भारत के सबसे महंगे अपार्टमेंट हैं, इस प्रदर्शन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन माइक्रो मार्केट्स में उद्योगपतियों, शीर्ष कॉर्पोरेट अधिकारियों, अभिनेताओं और खेल हस्तियों से जुड़े कई बड़े सौदे हुए हैं। यह ट्रेंड आने वाले समय में भी जारी रहने की उम्मीद है।

लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस है कार्लोस स्लिम

स्लिम के माता-पिता लेबनॉन से मेक्सिको आए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स पर नजर डालें तो वहां भारत के दो रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच आपको मेक्सिको के अरबपति कार्लोस स्लिम का नाम दिखेगा। कार्लोस स्लिम लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ 85.4 अरब डॉलर है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी से एक स्थान नीचे और अडानी से एक स्थान ऊपर 18वें नंबर पर हैं। स्लिम के पास लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मोबाइल फोन ऑपरेटर कंपनी, में कंट्रोलिंग स्टेक है।

कार्लोस स्लिम हेलू का जन्म 1940 में मेक्सिको सिटी में हुआ था। उनके माता-पिता लेबनॉन से आकर मेक्सिको में बसे थे। उन्होंने 1961 में मेक्सिको स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की नेशनल ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। 25 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कंस्ट्रक्शन कंपनी शुरू की और 1980 के दशक में मेक्सिको के कर्ज संकट के दौरान टोबैको, कॉपर और माइनिंग में जमकर निवेश किया। साथ ही उन्होंने 1990 के दशक में रेस्टोरेंट एंड रिटेल चेन सैनबोर्न हरमनोस को भी खरीद लिया। इसी दौरान उन्होंने सरकारी टेलिकॉम कंपनी टेलमैक्स और वायर एंड फाइबर-ऑप्टिक केबल बनाने वाली कंपनी ग्रुपो कंडुमेक्स को भी अपनी झोली में डाल लिया।

मौके पर चौका- पिता का कारोबार संभालने के उन्होंने स्टॉक ट्रेडर के तौर पर काफी मेहनत की। 25 की उम्र में उनके पास 30 लाख डॉलर की बड़ी राशि आई। मेक्सिको में कर्ज संकट और तेल की कमी उनके लिए एक बड़ी संभावना बनकर आई। पैसा बहुत तेजी से देश के बाहर जा रहा था। मौके का लाभ उठाते हुए उन्होंने काफी कम कीमत में कई कंपनियां खरीदीं। फिर उन्होंने इन कंपनियों को मुनाफे में लाकर बेच दिया। स्लिम इसे ही अपनी सफलता का राज मानते हैं।

कैसे मिली सफलता

एक दशक बाद उन्होंने अमेरिकन मोविल के बैनर तले पूरे लैटिन अमेरिका में मोबाइल फोन ऑपरेशंस को खरीदा। 2011 में उन्होंने इसे टेलमैक्स में मर्ज कर दिया। स्लिम की साथ ही कई कमर्शियल बैंकों और एनर्जी कंपनियों में भी हिस्सेदारी है। अपनी फैमिली इनवेस्टमेंट कंपनी ग्रुप कारसो के जरिए उन्होंने मेक्सिको की कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में भी निवेश किया है। स्लिम की वेल्थ में बड़ा हिस्सा पब्लिकली ट्रेडेड कंपनियों से आता है। उनकी आधी दर्जन से अधिक पब्लिक कंपनियों में हिस्सेदारी है जिनसे उन्हें डिविडेंड मिलता है। साल 2008 में उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स में भी 6.4 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी।

स्लिम ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बचपन से ही वह उद्यमी बनकर अपने पिता के काम में हाथ बंटाना चाहते थे। छोटी उम्र में ही उन्होंने पिता से बिजनस का ककहरा सीख लिया था। उनके पिता ने उन्हें फाइनेंस, मैनेजमेंट और अकाउंटिंग के बारे में बताया था। 11 साल की उम्र में उन्होंने गवर्नमेंट सेविंग्स बॉन्ड में निवेश किया, तो उन्हें पहली बार चक्रवृद्धि ब्याज के बारे में पता चला। 12 साल की उम्र में उन्होंने मैक्सिकन बैंक में पहला शेयर खरीदा था। जब वह 13 साल के थे तो उनके पिता की मृत्यु हो गई। पिता के कारोबार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग के साथ अर्थशास्त्र की भी पढ़ाई की ताकि कारोबार की बारीकियों को समझ सकें।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा; एफपीआई के आंकड़े भी आए सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई।

इस बीच अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजार में वापसी की। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अकतूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। दिलचस्प यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था।

पहले बात करते हैं शेयर बाजार की

पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 623.07 अंक या 0.76 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 90.5 अंक या 0.36 प्रतिशत के लाभ में रहा।

इनका बाजार मूल्यांकन बढ़ा

- समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,836.6 करोड़ रुपये बढ़कर 9,57,842.40 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।
- इन्फोसिस की बाजार हैसियत 31,826.97 करोड़ रुपये बढ़कर 8,30,387.10 करोड़ रुपये रही।
- एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,887.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,31,158.06 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 11,760.8 करोड़ रुपये बढ़कर 9,49,306.37 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एफपीआई रिटर्न्स, दिसंबर में भारतीय शेयर मार्केट में 22,766 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में वापसी की है। दिसंबर के पहले दो सप्ताह में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले नवंबर में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 21,612 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 94,017 करोड़ रुपये की भारी निकासी की थी। अक्टूबर की निकासी का आंकड़ा सबसे खराब रहा था।

दिलचस्प तथ्य यह है कि सितंबर में एफपीआई का प्रवाह के लिए नौ माह के उच्चस्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। यह विदेशी निवेशकों के निवेश के रुख में अस्थिरता को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, ताजा फ्लो के साथ 2024 में अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 7,747 करोड़ रुपये रहा है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक, प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आगे चलकर भारतीय शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों का प्रवाह कई प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा। इनमें डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा राष्ट्रपति के रूप में लागू की गई नीतियां, मौजूदा मुद्रास्फीति और ब्याज दर की स्थिति और भू-राजनीतिक परिदृश्य शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर देश की प्रगति भी निवेशक धारणा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इस महीने अबतक (13 दिसंबर तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 22,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसकी वजह यह है कि माना जा रहा है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक ब्याज दर में कटौती करेगा। वॉटरफील्ड एडवाइजर्स के वरिष्ठ निदेशक (सूचीबद्ध निवेश) विपुल भोवर ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम करके तरलता बढ़ाई है, जिससे निवेशकों की धारणा को बल मिला है।

कोका-कोला और जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के बीच हुआ रणनीतिक निवेश समझौता

मुंबई, एजेंसी। कोका-कोला कंपनी ने आज विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति वाले एक मल्टी-बिलियन समूह जुबिलेंट भारतिया ग्रुप के साथ एक अनुबंध की घोषणा की है। इसके तहत जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस प्राइवेट लिमिटेड की मूल कंपनी है, जो भारत में कोका-कोला का सबसे बड़ा बॉटलर (एक ऐसी कंपनी या संगठन, जो पेय पदार्थों, खासकर कार्बोनेटेड ड्रिंक्स का उत्पादन, पैकिंग और वितरण करता है) है।

कोका-कोला ने हमेशा ही उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और अनुभव प्रदान करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है और अब भारत में उपलब्ध अवसरों में निवेश करके यह सतत् और दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा दे रहा है। भारत में कोका-कोला के स्थानीय स्वामित्व वाले फ्रेंचाइजी पार्टनर सफल परिणामों को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का यह निवेश कंपनी की निरंतर सफलता में योगदान करेगा और भारतीय बाजार में इसकी स्थिति को मजबूत करने में मदद करेगा।

कोका-कोला इंडिया के प्रेसिडेंट संकेत रे ने कहा, ''हम भारत में कोका-कोला सिस्टम में जुबिलेंट भारतिया ग्रुप का स्वागत करते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अपने अलग-अलग तरह के अनुभव के साथ, जुबिलेंट अपने दशकों के समृद्ध अनुभव को लेकर आया है, जो कोका-कोला सिस्टम को बढ़ावा देने में मदद करेगा और हमें बाजार में अग्रणी बने रहने में सक्षम बनायेगा। इसके साथ ही हमें स्थानीय समुदायों और ग्राहकों को बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।''

हिन्दुस्तान कोका-कोला बेवरेजेस के सीईओ जुआन पाबलो रोड्रिग्ज़ ने कहा, ''यह रणनीतिक निवेश हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दिखाता है। जुबिलेंट भारतिया ग्रुप की विशेषज्ञता हमारी ताकत को और मजबूती देती है, जिससे हमने अपने हितधारकों को असाधारण मूल्य प्रदान करना जारी रखा है। साथ ही हम नवाचार और स्थायी रूप से प्रगति को बढ़ावा दे रहे हैं।

श्याम एस. भारतिया, फाउंडर व चेयरमैन और हरि एस. भारतिया, फाउंडर व को-चेयरमैन, जुबिलेंट भारतिया ग्रुप ने कहा, ''कोका-कोला कंपनी दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स में से कुछ का घर है, और हम उनके साथ जुड़कर उत्साहित हैं। साथ मिलकर हम कारोबार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अवसरों का लाभ उठाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा भारतीय उपभोक्ता कोका-कोला कंपनी के लोकप्रिय स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स का आनंद ले सकें।

ये बदलाव और निवेश कोका-कोला के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी ने दुनिया को तरोताज़ा करने और एक सकारात्मक बदलाव लाने के अपने उद्देश्य पर आगे बढ़ना जारी रखा है।

काइनैटिक ग्रीन ने अनूठेकार्यक्रमों से दी महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

पुणे एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की अग्रणी कंपनी काइनेटिक ग्रीन ने कार्यस्थल पर महिलाओं को सशक्त बनाने का संकल्प लिया है। कंपनी खासतौर पर नेतृत्व की भूमिकाओं और विनिर्माण कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के विज़न से प्रेरित, काइनेटिक ग्रीन ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जहां महिलाएं अपनी क्षमताओं को निखार सकें, नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकें और परिवहन के बेहतर भविष्य में अपनी भूमिका निभा सकें।

काइनैटिक ग्रीन ने हाल ही में महाराष्ट्र के पुणे स्थित सूपा प्लांट में अपने'वर्ल्ड इन ए रूम' अभियान का समापन किया है। इससे सामुदायिक भागीदारी, प्लांट स्तर के अभियानों और नेतृत्व विकास के माध्यम से विविधता लाने का उनका संकल्प नजर आता है। इस कार्यक्रम के शीराइजऔर स्किलहर जैसे प्रमुख कार्यक्रम, महिलाओं को नेतृत्व के गुर सिखाते हैं और उन्हें विशेष प्रकार की ट्रेनिंग से लैस बनाते हैं। इसके साथ ही तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ा रही महिलाओं को सम्मानित करने के लिए जयश्री फिरोदिया इनोवेशन अवॉर्ड की शुरुआत की गई है। साथ ही पुणे के प्रतिभाशाली इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ने कार्यक्रम को जोश और आशाओं से भर दिया। यह दर्शाता है कि परिवहन उद्योग का भविष्य कितना उज्जवल और व्यापक है। सुश्री प्रतीक्षा टोंडवालकर (एसबीआई) और सुश्री अंजलि गुलाटी(पीपल कनेक्ट) सहित प्रतिष्ठित वक्ताओं ने प्रतिभा रणनीतियों में दृढ़ता और विविधता पर अपने विचारों से वहां उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। प्रमुख नेतृत्वकर्ताओं में श्री रंजीत कोंडेशन (सीएचआरओ), श्री धीरेंद्र सिंह(निदेशक, आरएंडडी), श्री सुंदरेश्वरन एस (निदेशक, विनिर्माण औरसंचालन) और श्री पंकज शर्मा (अध्यक्ष, 2-व्हीलर बिजनेस) ने इस बात की पुष्टि की है कि विविधता काइनैटिक ग्रीन के सिद्धांतों का अहम हिस्सा है। इससे नवचारों, सस्टेंबल विकास और एक उज्जवल भविष्य का रास्ता तय होता है। प्रबंधन के मध्यम तथा वरिष्ठ स्तर पर भूमिकाओं में महिलाओं की 40 प्रतिशत भागीदारी के साथ काइनैटिक ग्रीन, लिंग समानता को समर्पित है। साथ ही महिलाओं के नेतृत्व में अन्य महिलाओं को भर्ती करना समान अवसरों को सुनिश्चित करता है। सुश्री सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी के नेतृत्व में, काइनैटिक ग्रीन ने ना केवल कंपनी के अंदर महिलाओं की भूमिकाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, बल्कि ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन भी तैयार की है। इससे लिंग समानता और विनिर्माण में इनोवेशन को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता झलकती है। महिलाओं को सशक्त बनाने की काइनैटिक ग्रीन की सोच कंपनी के आंतरिक कार्यप्रणाली से काफी आगे की चीज है। कंपनी चाहती है कि उनके प्लांट में दोपहिया और तीनपहिया वाहनों तथा गोल्फ कार्ट्स एसेंबली लाइन में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत तक पहुंचे। इससे तकनीकी तथा विनिर्माण भूमिकाओं में महिलाओं को समान अवसर उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

इसके साथ ही ये कंपनी महिला प्रतिभाओं को नेतृत्व देकर और फाउंडर्स तथा वरिष्ठ लीडर्स से जोड़कर उन्हें सशक्त बना रही है। कॅरियर के वैकल्पिक रास्ते और साल के मध्य में पारदर्शी मूल्यांकन, योग्य महिला लीडर्स को सहयोग प्रदान करता है और उन्हें सम्मानित करता है। काम करने के लचीले घंटे और विविधता तथा योग्यता को महत्व देने वाली भागीदारी की संस्कृति जैसे विकल्पों के माध्यम से यह वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही ये कंपनी व्यक्तिगत तथा पेशेवर रूप से महिलाओं को सहयोग देने के लिए स्वास्थ तथा तंदरुस्ती को भी प्राथमिकता देती है।

सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी, को-फाउंडर एवं सीईओ, काइनैटिक ग्रीनकहती हैं, इलेक्ट्रिक वाहनों का आना एक गेम-चेंजर की तरह है जो ना केवल सस्टेंबिलिटी के लिए है बल्कि कार्यबल में भागीदारी को लेकर भी है। ईवी क्षेत्र में क्रांति आने से नए तरह के कौशल और अनोखी सोच की मांग उठने लगी है, जिससे महिलाओं के लिए ऑटोमोटिव और विनिर्माण क्षेत्र में अप्रत्याशित रूप से अवसरों के दरवाजे खुल रहे हैं। काइनैटिक ग्रीन में हम ई-लूना में 100 प्रतिशत महिला नेतृत्व वाली एसेंबली लाइन और स्किलहर जैसे अभियानों के साथ बदलाव का नेतृत्व करते हुए गर्व का अनुभव कर रहे हैं। इससे महिलाएं रोजगार केंद्रित ट्रेनिंग के साथ एसयूपीए क्षेत्र में सशक्त बन रही हैं। इसके साथ ही अपने साझेदारों के साथ काइनैटिक कम्युनिकेशन लिमिटेड और काइनैटिक इलेक्ट्रिक मोटर्स लिमिटेड एक सुदृढ़ व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जोकि इंटर्नशिप से लेकर लीडरशिप तक की भूमिकाओ में हर स्तर पर नारी प्रतिभा को निखारता है।

तीसरा टेस्ट : ऑस्ट्रेलिया के 445 के जवाब में भारतीय टीम ने 51 रनों पर ही चार विकेट गंवाये

गाबा (एजेंसी)। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खराब शुरुआत रही है। मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के पहली पारी के 445 रनों के जवाब में भारतीय टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में 51 रनों पर ही अपने चार विकेट खो दिये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम अभी भी 394 रनों से पीछे है , वहीं उसके पास छह विकेट हैं। मैच में अभी दो दिनो का खेल बाकि है। आज तीसरे दिन बारिश और खराब रौशनी के कारण खेल बार बार रुका जिससे कारण भी नुकसान हुआ । खेल तय समय से 45 मिनट पहले ही समाप्त घोषित करना पड़ा। तीसरे दिन केवल 33.1 ओवर का खेल हुआ। इस मैच में भी मेजबान टीम का शिकंजा सकता जा रहा है क्योंकि भारत का शीर्ष क्रम पेवेलियन लौट गया है। दिन का खेल समाप्त होने के समय केएल राहुल 33 और रोहित शर्मा बगैर खाता खोले क्रीज पर। यशस्वी जायसवाल 4, शुभमन गिल 1,विराट कोहली 3 और ऋषभ पंत 9 रन बनाकर आउट हुए। वहीं मेजबान टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 2, जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने 1-1 विकेट लिए। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन पर बनाये। ट्रेविस हेड ने 152 और स्टीव स्मिथ ने 101 रन बनाए। एलेक्स कैरी ने 70 रन बनाए। उस्मान ख्वाजा ने 21, नाथन मैकस्वीनी ने 9, मार्नस लाबुशेन 12, मिचेल मार्श ने 5 और पैट कमिंस ने 20 रन बनाए। मिचेल स्टार्क 18 और नाथन लियोन ने 2 रन बनाए। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने 6, जबकि मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट लिये। आकाशदीप और नितीश कुमार रेड्डी भी 1-1 विकेट लेने में सफल रहे। इस मैच में भारतीय टीम ने दो बदलाव करते हुए रविंद्र जडेजा और आकाशदीप को शामिल किया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को शामिल किया है।

विश्व चैंपियन गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

चेन्नई (एजेंसी)। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का सोमवार को यहां हवाई अड्डे पर सैकड़ों उत्सुक प्रशंसकों, तमिलनाडु सरकार और राष्ट्रीय महासंघ के अधिकारियों ने जोरदार स्वागत किया। 18 वर्षीय गुकेश ने पिछले सप्ताह सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया और रूस के गैरी कास्परोव के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

स्वदेश लौटने पर गुकेश ने उनका समर्थन करने के लिए सभी का धन्यवाद किया। मीडिया और प्रशंसकों के बीच इस युवा खिलाड़ी को करीब से देखने के लिए लगी होड़ के बीच गुकेश ने कहा, 'यह शानदार है। आपके समर्थन ने मुझे बहुत ऊर्जा दी। विश्व चैंपियनशिप जीतना एक शानदार अहसास है।% महान विश्वनाथन आनंद के बाद गुकेश विश्व खिताब जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय हैं। आनंद ने यहां अपनी अकादमी में इस किशोर के खेल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंग्लैंड को लगा झटका, टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को फिर हैमस्ट्रिंग में लगी चोट

हैमिल्टन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा जब उसके टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच के दौरान एक बार फिर हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई। इंग्लैंड क्रिकेट ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पुष्टि की कि स्टोक्स को टेस्ट सीरीज के अंतिम मैच के तीसरे दिन हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई।

स्टोक्स सेडन पार्क में न्यूजीलैंड के युवा खिलाड़ी रचिन रवींद्र को गेंदबाजी कर रहे थे, तभी उन्होंने अपनी हैमस्ट्रिंग को कसकर पकड़ लिया और उपचार के लिए मैदान से बाहर चले गए। अनुभवी ऑलराउंडर पूरे साल हैमस्ट्रिंग की चोटों से जूझते रहे हैं। अगस्त में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। चोट के कारण वह अक्टूबर में मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट से बाहर हो गए थे। चोट की प्रकृति अभी भी अज्ञात है, और यह देखना बाकी है कि स्टोक्स दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी करने आएंगे या नहीं।

स्टोक्स ने 12.2 ओवर फेंके जिसमें 4.20 की इकॉनमी से 52 रन दिए और दो विकेट चटकाए। दूसरी पारी में विल यंग और विलियम ओ%रुरके को आउट किया। पहली पारी में उन्होंने 24 ओवर फेंके, छह मेडन किए और 3.80 की इकॉनमी से 91 रन दिए। मैट हेनरी पहली पारी में उनका एकमात्र शिकार थे। स्टोक्स के आउट होने पर न्यूजीलैंड ने कुल 453 रन बनाए। पहली पारी में 204 रनों की बढ़त के साथ कीवी टीम ने मेहमानों को 658 रनों का लक्ष्य दिया। इंग्लैंड ने पारी की शुरुआत में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों जैक क्रॉली और बेन डकेट को खो दिया। मैट हेनरी ने क्रॉले (5) को स्टंप के सामने पिन करके इसका अनुसरण किया। तीसरे दिन के अंत में इंग्लैंड का स्कोर 18/2 हो गया और जीत से अभी भी 640 रन दूर था।

माफी चाहता हूं : न्यूजीलैंड / इंग्लैंड टेस्ट में बड़ा रिकॉर्ड चूकने पर बोले टिम साऊदी

खेल डैस्क । अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्कों की उपलब्धि हासिल करने से चूकने पर निराशा व्यक्त की है। यह खेल हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में खेला जा रहा है। अपने विदाई टेस्ट में खेलते हुए साउदी ने पहली पारी में 3 छक्के लगाए, जिससे उनका कुल स्कोर 98 हो गया। हालांकि, जब वह न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में टेस्ट क्रिकेट में आखिरी बार बल्लेबाजी करने आए, तो साउदी 5 गेंदों पर 2 रन बनाकर आऊट हो गए। वह अगर 2 छक्के लगा लेते तो इस प्रारूप में 100 छक्के लगाने वाले चौथे क्रिकेटर बन जाते।

साउदी ने मैच के बाद स्वीकार किया कि जब वह बल्लेबाजी करने अंदर गए तो वह अधिक दबाव महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह एक अजीब एहसास था। बल्लेबाजी करते समय कभी इतना दबाव महसूस नहीं हुआ। लेकिन नहीं, यह अच्छा मजा था। लड़कों के लिए कुछ दिन बहुत अच्छे रहे। उन्होंने (मैकुलम) कुछ कहा - उन्हें ठीक से नहीं सुना। अच्छा लगा कि वह आखिरी बार भी यहां है। जब भी आप न्यूजीलैंड के लिए विकेट लेते हैं तो वह एक विशेष समय होता है।

उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, एक बच्चे के बड़े होने पर, एक विकेट लेने का अहसास हर समय नया होता है। यह ऐसा एहसास है जिसे मैं निश्चित रूप से याद करूंगा। यह मेरे जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा रहा है। मैं जो करने में सक्षम हूं उसे करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उम्मीद है कि अगले कुछ दिन अच्छे रहेंगे, लेकिन मुझे यकीन है कि कुछ दिन भावनात्मक भी रहेंगे। 100 टेस्ट छक्के चूकने पर साउदी ने कहा कि निराश करने के लिए माफी चाहता हूं।

अपना 107वां टेस्ट खेल रहे साउथी ने 390 विकेट लिए हैं और 2,245 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 98 छक्के शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में वह केवल बेन स्टोक्स (133), ब्रेंडन मैकुलम (107) और एडम गिलक्रिस्ट (100) से पीछे हैं।

पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया, जैसन गिलेस्पी ने इस्तीफे के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को लताड़ा

सिडनी । आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जैसन गिलेस्पी ने सोमवार को पीसीबी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बोर्ड ने पूरी तरह से उन्हें अंधेरे में रखा जिसकी वजह से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा । गिलेस्पी का करार 2026 तक का था लेकिन उन्होंने पिछले सप्ताह इस्तीफा दे दिया । उन्होंने कहा कि संवादहीनता के कारण उन्हें लगने लगा था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी जरूरत नहीं है । गिलेस्पी ने कहा, 'चुनौतियां तो थी। मैं कुछ करने के इरादे से वहां गया था। मुझे पता था कि पाकिस्तान ने बहुत कम समय में बहुत सारे कोच बदले हैं । मैं चाहता था कि मुख्य कोच होने के नाते नियोक्ता से मेरा सीधा और स्पष्ट संवाद हो । मुझे हाई परफार्मेंस कोच नहीं रखने को लेकर पूरी तरह से अंधेरे में रखा गया ।' पीसीबी ने हाई परफार्मेंस कोच टिम नीलसन के करार का नवीनीकरण नहीं किया जिन्हें गिलेस्पी लेकर आए थे । गिलेस्पी ने कहा, ' टिम नीलसन को बताया गया कि उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं है और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई । इससे पहले भी बहुत कुछ हुआ लेकिन इस घटना के बाद मुझे लगने लगा कि मेरी जरूरत है भी या नहीं ।'

कोहली को तेंदुलकर की 241 रन की पारी को देखना चाहिए : गावस्कर

ब्रिसबेन । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने सोमवार को भारत के सुपरस्टार विराट कोहली से कहा कि वह 2004 में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सचिन तेंदुलकर की यादगार 241 रन की पारी से प्रेरणा लें और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफ अपने लगातार संघर्ष को खत्म करने के लिए कवर ड्राइव खेलने से परहेज करें । ब्रिसबेन टेस्ट के बारिश से प्रभावित तीसरे दिन कोहली एक बार फिर असफल रहे जब जोश हेजलवुड ने उन्हें तीन के निजी स्कोर पर विकेट के पीछे कैच करा दिया। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किए जाने पर 51 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। गावस्कर ने कहा कि कोहली को 'अपने हीरो' तेंदुलकर से आगे देखने की जरूरत नहीं है जिन्होंने एससीजी में 33 चौकों की मदद से 436 गेंद पर 241 रनों की असाधारण पारी खेली थी जबकि वह भी 2003-04 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान विकेट के पीछे कैच आउट होने की समस्या से जूझ रहे थे । कोहली ने मौजूदा दौरे पर अब तक 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन की पारियां खेली हैं । तेंदुलकर की उस पारी को उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक माना जाता है क्योंकि उन्होंने 10 घंटे से अधिक समय तक बल्लेबाजी की और ड्राइव करने की अपनी प्रवृत्ति पर लगाम लगाई और अपने अधिकतर रन ऑन साइड पर बनाए ।

श्रेयस अय्यर ने सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतकर टीम इंडिया के लिए पेश की दावेदारी

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुम्बई ने रविवार को सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती। मुम्बई ने खिताबी मुकाबले में मध्य प्रदेश आसानी से हरा दिया। मुम्बई की इस जीत में श्रेयस की अहम भूमिका रही। इस बल्लेबाज ने 345 रन बनाने साथ ही शानदार कप्तानी भी की। इसी के साथ ही श्रेयस ने इस साल अपनी कप्तानी में टीम को घरेलू क्रिकेट में दूसरा बड़ा टूर्नामेंट जिताकर एक बार फिर टीम इंडिया के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। इससे पहले श्रेयस की कप्तानी में कोलकाता नाइटराइडस ने खिताब जीत था। इसके अलावा ईरानी कप और रणजी ट्रॉफी में भी मुम्बई की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। अब माना जा रहा है कि वह आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को खिताब जीता सकते हैं।

श्रेयस ने इस साल फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और ट्वंटी 20 तीनों फॉर्मेट में अपनी कप्तानी का को साबित किया है। इसी साल उन्होंने अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था पर इसके बाद भी श्रेय न मिलने पर वह आईपीएल नीलामी में उतर गये।

सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीतने के बाद श्रेयस बेहद उत्साहित नजर आए। इस दौरान सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रशंसकों ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। खिताबी मुकाबले में मध्य प्रदेश ने पहले खेलते हुए कप्तान रजत पाटीदार के 81 रनों की बदौलत 174 रन बनाए थे। इसके बाद जीत के लिए मिला लक्ष्य मुंबई ने 18वें ओवर में ही हासिल कर लिया।

भारतीय गोल्फर रेहान थॉमस ने 'कोर्न फेरी टूर' का कार्ड हासिल किया

पोंटे वेद्रा (फ्लोरिडा) । भारत के रेहान थॉमस ने 2025 के लिए 'कोर्न फेरी टूर' का कार्ड (प्रतियोगिता में भागीदारी) अर्जित किया है । 'कोर्न फेरी टूर' अमेरिका में आयोजित होने वाली पीजीए टूर से निचले स्तर की प्रतियोगिता है । दुबई में रहने वाले रेहान घरेलू टूर में भी विजेता रहे हैं । वह इस साल की शुरुआत में पेशेवर बने थे । पीजीए टूर क्वालीफाइंग स्कूल के अंतिम चरण में थॉमस ने 70-72-71-68 के राउंड से कुल एक ओवर 281 का कार्ड खेला और संयुक्त 26वें स्थान पर रहे । इस प्रतियोगिता के शीर्ष पांच में रहने वाले खिलाड़ियों ने पीजीए टूर के लिए क्वालीफाई किया । थॉमस 'कोर्न फेरी टूर' पर कम से कम 12 मुकाबलों में चुनौती पेश करेंगे । वह इस सत्र में इसमें भाग लेने वाले इकलौते भारतीय होंगे ।

बीसीसीआई ने विजय हजारे ट्रॉफी खेलने तीन खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापस बुलाया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया गये तीन खिलाड़ियों को वापस बुलाया है । बीसीसीआई ने रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर भेजे गये तेज गेंदबाजों मुकेश कुमार, यश दयाल और नवदीप सैनी को जरुरत नहीं होने के कारण वापसी बुलाया है । इन तीनों तेज गेंदबाज को पहले तीन टेस्ट मैचों में एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला है । तीनों गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दो टेस्ट मैचों में भी अवसर मिलना मुश्किल था । ऐसे में भारतीय बोर्ड ने इस गेंदबाजों को रिलीज करने का फैसला किया । बोर्ड ने इन तीनों को इसलिए पहले रिलीज किया जिससे वे भारत लौटकर विजय हजारे ट्रॉफी से पहले अभ्यास कर सकें । मुकेश कुमार को बंगाल की टीम ने शामिल किया है । मुकेश , नवदीप और यश के टीम इंडिया से रिलीज होने के बाद भी भारतीय टीम के पास 5 बतौर तेज गेंदबाज रहेंगे । इनमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं । मुकेश और नवदीप शुरूआत से ही भारतीय टीम के साथ थे । दोनों इंडिया ए के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी गए थे । मुकेश ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दोनों टेस्ट खेले खेलकर 11 विकेट लिए थे । नवदीप को केवल एक अभ्यास मैच में खेलने का अवसर मिला । वहीं यश दयाल को खलील अहमद की जगह टीम से जोड़ा गया था । खलील अहमद बिना खेले चोटिल होकर ऑस्ट्रेलिया से लौट आए थे । यश विजय हजारे ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में शामिल होंगे वहीं मुकेश बंगाल जबकि सैनी दिल्ली की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे ।

स्मृति और जेमिमा की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम ने पहले टी20 में वेस्टंडीज को हराया

मुम्बई । स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां वेस्टंडीज को पहले टी20 मुकाबले में 49 रनों से हरा दिया । भारतीय टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मंधाना के 53 और जेमिमा के 73 रनों की सहायता से 4 विकेट पर ही 195 रन बनाये । वेस्टंडीज की ओर से करिश्मा ने 18 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टंडीज टीम 146 रन ही बना पाई । वेस्टंडीज की ओर से जोसेफ और डॉटिन ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अपनी टीम को जीत दिलाने में विफल रहीं । भारतीय टीम की ओर से तितास साधु ने 37 रन देकर 3 विकेट लिए । इस मैच में मंधाना ने उमा छेत्री के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 50 रन बनाये । उमा ने 24 रन बनाये । वहीं मंधाना ने 33 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्के लगाकर 54 रन बनाए । वहीं जेमिमा ने 35 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्के लगाकर सबसे अधिक 73 रनों की पारी खेली । इसके अलावा ऋचा घोष ने 20 जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने 13 रन बनाये । लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज केवल 1 रन बनाकर पेवेलियन लौट गईं । इस दौरान कियाना जोसेफ ने डींड्रा डॉटिन के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया । जोसेफ ने 33 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से 49 रन बनाए तो वहीं, डॉटिंन ने 28 गेंदों पर 4 चौके और 3 छक्कों की मदद से 52 रन बनाए । जोसेफ और डॉटिंन के विकेट गिरते ही वेस्टइंडीज टीम की पारी ढ़ह गयी । मध्यक्रम में केवल शबिका 15 ही रन बना पाई और स्कोर 20 ओवर में 146 तक ही पहुंच पाया । भारत की ओर से तितास ने 37 रन देकर 3 विकेट जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट लिए ।

एक टीम के रूप में हम एक दूसरे पर सवाल नहीं उठाते : जसप्रीत बुमराह

बेंगलुरू (एजेंसी) । ब्रिसबेन -जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में खराब दौर से जूझ रही भारतीय टीम का बचाव करते हुए अपने पर अतिरिक्त दबाव की बात को खारिज किया और कहा कि टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है और अनुभवी होने के नाते अतिरिक्त जिम्मेदारी उठाना उनका काम है। गाबा पर तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर गेंदबाजी का गलत फैसला लेने के बाद भारत ने बुमराह के छह विकेट के बावजूद मेजबान को पहली पारी में 445 रन बनाने दिए।

जवाब में वर्षाबाधित तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने चार विकेट 51 रन पर गंवा दिए थे। बल्लेबाजों की तकनीक और बुमराह के अलावा गेंदबाजों के स्तर पर इसके बाद सवाल उठने लगे हैं। बुमराह ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी के बारे में पूछने पर कहा, 'एक टीम के रूप में हम एक दूसरे पर सवाल नहीं उठाते। हम उस मानसिकता में नहीं पड़ना चाहते जहां एक दूसरे पर ऊंगली उठाई जाए।'

बदलाव के दौर से गुजर रहे

उन्होंने कहा, 'हम एक टीम के रूप में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। नए खिलाड़ी आ रहे हैं और क्रिकेट खेलने के लिए यह सबसे आसान जगह नहीं है। विकेट अलग तरह की है और माहौल अलग है।' अब तक इस श्रृंखला में 18 विकेट ले चुके बुमराह ने कहा, 'गेंदबाजी ईकाई के तौर पर हम बदलाव के दौर में है लिहाजा दूसरों की मदद करना मेरा काम है। मैने दूसरों से अधिक क्रिकेट खेली है तो मैं उनकी मदद की कोशिश कर रहा हूं।'

नए खिलाड़ियों को थोड़ा समय देना होगा : बुमराह

उन्होंने कहा, 'हम सभी सीखने की कोशिश कर रहे हैं और प्रदर्शन बेहतर होगा। सफर में इन सब चीजों से गुजरना होता है।' बुमराह ने इन खबरों को भी खारिज किया कि पहली पारी में खराब स्कोर से गेंदबाजों और उन पर अधिक दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास 11 खिलाड़ी हैं। मैं इसे ऐसे नहीं देखता कि मुझे ज्यादा काम करना है। हम एक नई टीम है और कई नए खिलाड़ी इसमें है। हमें उन्हें थोड़ा समय देना होगा। वे अनुभव से ही सीखेंगे।'

'मुझे हमेशा अलग-अलग चुनौतियां अच्छी लगती है'

उन्होंने कहा, 'कोई भी अनुभव साथ लेकर नहीं आता और ना ही कौशल के साथ पैदा होता है। आप सीखते जाते हैं और नए तरीके तलाशते हैं। आप अपने खेल के बारे में सीखते हैं।' भारतीय उप-कप्तान ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अलग अलग पिचों पर गेंदबाजी करने में उन्हें काफी मजा आया। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा अलग-अलग चुनौतियां अच्छी लगती है। पर्थ में विकेट अलग था और एडीलेड में गुलाबी गेंद के साथ विकेट अलग था। यहां का विकेट अलग है और रन अप लो है। भारत में हमें इसकी आदत नहीं है।'

अपेक्षाओं का बोझ नहीं लेते बुमराह

बुमराह ने कहा कि वह सफलता और विफलता को समान रूप से देखते हैं और अपेक्षाओं का बोझ नहीं लेते। उन्होंने कहा, 'जब मैं युवा था तब प्रशंसकों और लोगों की राय का अतिरिक्त बोझ लेता था लेकिन अब मैं किसी राय को संजीदगी से नहीं लेता। मैं खुद से पूछता हूं कि मुझे क्या करना है और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करता हूं। मैं यह नहीं सोचता कि लोग मुझसे ऐसा करने की अपेक्षा कर रहे हैं और मैं उसका बोझ लेने लगूं।'

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादकः कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः बृह्मदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

जेल से घर लौटे अल्लू, मिलने पहुंचे विजय देवरकोंडा

पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ में हुई महिला की मौत मामले में शुक्रवार को अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया, उन्हें जमानत मिल गई है। एक दिन जेल में रहकर शनिवार सुबह वह घर पहुंचे। जेल से निकलकर अल्लू अर्जुन अपने घर आकर आ गए हैं। अब उनके घर पर मिलने वालों का तांता लग गया है। कुछ देर साउथ फिल्मों के फेमस एक्टर विजय देवरकोंडा भी अल्लू अर्जुन के घर पहुंचे हैं। विजय और अल्लू लंबे समय से जिगरी दोस्त हैं। इमोशनल हो गए विजय देवरकोंडा अल्लू अर्जुन को घर पर देखकर विजय का चेहरा खिल उठा। वह अपने दोस्त को देखकर इमोशनल हो गए। विजय ने अल्लू को देखते ही गले लगा लिया। दोनों बहुत देर तक गले मिलते रहे। ऐसा लग रहा था कि विजय देवरकोंडा को अल्लू अर्जुन के जेल जाने का बहुत दुख हुआ। अल्लू अर्जुन से मिलने के बाद विजय देवरकोंडा परिवार के बाकी सदस्यों से मिले, जिसमें अल्लू अर्जुन के पिता भी शामिल रहे। इसके बाद अल्लू अर्जुन और विजय देवरकोंडा साथ में बैठकर काफी देर तक बात करते रहे। अल्लू, विजय से कुछ कहते हुए नजर आए, ऐसा लग रहा था कि वह कल की पूरी घटना का जिक्र कर रहे हैं। विजय भी ध्यान से अल्लू अर्जुन की बातों को सुन रहे थे।

सच्चे दोस्त का फर्ज निभाया

अल्लू अर्जुन को शनिवार सुबह घर आए हुए कुछ ही देर हुई थी, इतने में ही विजय देवरकोंडा उनके घर पहुंच गए थे। इसस पता चलता है कि दोनों की दोस्ती कितनी गहरी है। अपने दोस्त अल्लू अर्जुन के मुश्किल समय में विजय उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं। विजय के अलावा अल्लू अर्जुन से मिलने के लिए प्रोड्यूसर दिल राजू, डायरेक्टर कोराटाला शिवा भी पहुंचे। एक्टर चिरंजीवी की पत्नी भी मिलने पहुंची विजय देवरकोंडा के बाद चिरंजीवी की पत्नी और अल्लू अर्जुन की बुआ सुरेखा भी उनसे मिलने घर पर पहुंची हैं। वह भी अल्लू अर्जुन के गले लगीं। बहुत देर तक प्यार से अल्लू अर्जुन से बात करती रहीं। साथ ही अल्लू अर्जुन के पिता अल्लू अरविंद से भी सुरेखा ने बातचीत की।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने प्रियंका चोपड़ा को किया सम्मानित

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 (आरएसआईएफएफ) का हिस्सा बनीं। कार्यक्रम में उन्हें सम्मानित किया गया। इस मौके पर अभिनेत्री ने कहा कि वह लोगों को एक साथ लाने की मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में विश्वास रखती हैं।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनीं प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा जोन रेड सी ऑनरी, वियोला डेविस में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म महोत्सव स्क्रीन पर और व्यापक फिल्म इंडस्ट्री के भीतर उनके सफल करियर और उपलब्धियों का जश्न मना रहा है। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में पहचाने जाने से मैं अभिभूत हूं, यह कहानी कहने का उत्सव है जो भाषा, सीमाओं और सांस्कृतिक विभाजनों से परे है।

अभिनेत्री ने की रेड सी टीम की सराहना

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, मैंने हमेशा लोगों को एक साथ लाने के लिए मनोरंजन की यूनिवर्सल पावर में में विश्वास किया है, और न केवल हॉलीवुड या बॉलीवुड के भीतर बल्कि दुनिया भर में बताई जा रही कहानियों की अविश्वसनीय प्रतिभा और विविधता को प्रदर्शित करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए मैं रेड सी टीम की सराहना करती हूं।

उन्होंने आगे उल्लेख किया, इंडस्ट्री में लगभग 25 वर्षों को प्रतिबिंबित करते हुए, मुझे याद आता है कि मैं कितनी भाग्यशाली रही हूं कि मैं ऐसी कहानी कहने और उसमें योगदान देने में सक्षम रही हूं जो दृष्टिकोण को चुनौती देती है, बदलाव को प्रेरित करती है और हम सभी को जोड़ती है। यह मान्यता इस बात की याद दिलाती है कि मुझे सबसे पहले फिल्में बनाने का शौक क्यों हुआ। इस विशेष सम्मान के लिए और वैश्विक सिनेमा की असाधारण कलात्मकता को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिए रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल को मेरा आभार।

अपने दूसरे हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए तैयार धनुष

अभिनेता और फिल्म निर्माता धनुष कई परियोजनाओं में व्यस्त हैं, जिनमें तेलुगु फिल्म कुबेरा, उनकी तमिल निर्देशित परियोजनाएं नीलावु एनमेल एन्नाडी कोबाम और इडली कड़ाई, हिंदी फिल्म तेरे इश्क में और तमिल फिल्म इलैयाराजा बायोपिक शामिल हैं। वहीं, अब अभिनेता की नई फिल्म के बारे में जानकारी सामने आई है। अब धनुष के प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर है कि अभिनेता रूसो ब्रदर्स की द ग्रे मैन के साथ अपनी शुरुआत के बाद अपनी दूसरी हॉलीवुड फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार हैं।

धनुष की दूसरी हॉलीवुड फिल्म धनुष के बारे में नई खबरें हैं कि उन्होंने अपनी दूसरी हॉलीवुड फीचर फिल्म साइन कर ली है। इस बार वह अभिनेता सिडनी स्वीनी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जो वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड और मैडम वेब जैसी फिल्मों में दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का नाम स्ट्रीट फाइटर है और इसे सोनी प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित किया जाएगा।

अल्लू अर्जुन के समर्थन में आए तेलुगु अभिनेता नानी

अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद कई अभिनेता उनके समर्थन में उतर रहे हैं। अब तेलुगु अभिनेता नानी, अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए हैं। अभिनेता ने गिरफ्तारी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सभी को इस घटना से सीख लेनी चाहिए और भविष्य में अधिक सावधान रहना चाहिए। अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर अभिनेता नानी ने एक पोस्ट करते हुए लिखा, काश, सिनेमा से जुड़े लोगों से जुड़ी किसी भी चीज में सरकारी अधिकारी और मीडिया जिस तरह का उत्साह दिखाते हैं, वैसा ही उत्साह आम नागरिकों के लिए भी होता। हम एक बेहतर समाज में रहते। अभिनेता ने आगे लिखा, वह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी और यह दिल तोड़ने वाली थी। हम सभी को इस आपदा से सीख लेनी चाहिए और इसके बाद और अधिक सावधान रहना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने चाहिए कि यह फिर न हो। हम सभी इसके लिए जिम्मेदार हैं। इसके लिए एक व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है।

वरुण धवन ने भी लिया पक्ष

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन भी अल्लू अर्जुन के समर्थन में सामने आए और कहा कि अभिनेता को हर चीज के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जयपुर में 'बेबी जॉन' के प्रचार में, वरुण ने कहा, सुरक्षा प्रोटोकॉल ऐसी चीज नहीं है जिसे कोई अभिनेता खुद पर ले सकता है। हम अपने आस-पास के लोगों को बता सकते हैं। अभिनेता ने संध्या थिएटर में हुए हादसे को दुखद भी बताया। 4 दिसंबर को 'पुष्पा 2: द रूल' की स्क्रीनिंग के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में हुई भगदड़ में 35 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई थी, जिसके बाद अल्लू अर्जुन और उनकी टीम पर मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद अभिनेता अल्लू अर्जुन ने घटना पर शोक और दुख जताया था। उन्होंने कहा था, संध्या थिएटर में हुई दुखद घटना से मैं बहुत दुखी हूं। इस अकल्पनीय कठिन समय में मैं शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस दर्द में अकेले नहीं हैं और मैं व्यक्तिगत रूप से परिवार से मिलूंगा। अभिनेता ने आगे कहा, हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपके साथ हैं। मैं 25 लाख रुपये की राशि दान करना चाहता हूं। यह उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक सद्भावनापूर्ण कदम है।

टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी हरनाज संधू

साल 2021 में मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम करनी वाली हरनाज कौर संधू बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उनके हाथ हिंदी फिल्म लगी है। हरनाज टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। शायद नाम आप समझ गए हों! जी हां, हरनाज को बागी 4 में साइन किया गया है। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी पुष्टि की है। फिल्म बागी 4 के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने हरनाज को साइन किया है। आज गुरुवार को नाडियाडवाला ग्रैंडसन के इंस्टाग्राम पेज से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें हरनाज की तस्वीर है। इसके साथ लिखा है, मिस यूनिवर्स से बागी यूनिवर्स तक! हम आपको नई प्रतिभा से मिला रहे हैं। बागी 4 में लेडी रिबेल। इस फिल्म का निर्देशन एच हर्षा कर रहे हैं। फिल्म बागी 4 अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म 5 सितंबर 2025 को रिलीज होगी। आज की तारीख हरनाज के लिए यूं भी खास है। साल 2021 में हरनाज ने आज ही के दिन मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। 12 दिसंबर 2021 में वे मिस यूनिवर्स बनीं। और आज 12 दिसंबर 2024 को उनके बॉलीवुड डेब्यू की खबर सामने आई है।

कीर्ति सुरेश को सामंथा ने दी शादी की शुभकामनाएं

12 दिसंबर को साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश ने गोवा में एक निजी समारोह के दौरान एंथनी थाटिल के साथ शादी की। कीर्ति ने अपनी शादी की तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीर्ति की। शादी के बाद फिल्म जगत से उन्हें बधाईयां मिलने लगीं। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अभिनेत्री को शादी की शुभकामनाएं दी। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर सामंथा ने दोनों की प्यारी सी पोस्ट साझा की सामंथा ने लिखा, इस तस्वीर ने मेरा दिल जीत लिया। दो बेहद खूबसूरत लोगों को बधाई, आप हमेशा खुशी और शांति से भरे रहें।

सीआईडी की वजह से सिंघम फ्रेंचाइजी की फिल्में मिलीं

सीआईडी का नया सीजन जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। इस बार फिर से दर्शकों को दया के रूप में दयानंद शेट्टी का पसंदीदा किरदार देखने को मिलेगा। अपने जन्मदिन के मौके पर दयानंद शेट्टी ने खास बातचीत की, जिसमें उन्होंने न सिर्फ सीआईडी के नए सीजन के बारे में अपने विचार साझा किए, बल्कि अजय देवगन के साथ काम करने के अनुभव और दिलजले फिल्म को लेकर भी दिलचस्प खुलासा किया।

सीआईडी शो एक बार फिर से शुरू हो रहा है। इस नए सीजन में दर्शकों को क्या नया देखने को मिलेगा? कौन से खास बदलाव या नए ट्विस्ट होंगे?

सीआईडी शो 21 वर्षों तक अपने समय से आगे था। अब जब अपराध अधिक हाईटेक हो गए हैं, तो हमें भी अपनी जांच के तरीके में बदलाव लाना पड़ा है। शो का फ्लेवर वही रहेगा, लेकिन अब हम अपराधियों के नए तरीकों के हिसाब से जांच करेंगे।

90 के दशक में जब यह शो शुरू हुआ था, उस समय और आज के टीवी इंडस्ट्री में काम करने के तरीकों में आपने क्या प्रमुख बदलाव महसूस किए हैं?

बहुत बदलाव आया है। पहले लंबे शॉट्स होते थे, लेकिन अब तकनीकी विकास के साथ फिल्मांकन और कहानी कहने के तरीके में काफी बदलाव आया है। अब सब कुछ बहुत ज्यादा आधुनिक हो गया है, जिससे शूटिंग और एपिसोड्स की गति भी तेज हो गई है।

सीआईडी से पहले आप फिल्म दिलजले में नजर आए थे?

नहीं, यह जानकारी गलत है। मैंने कभी दिलजले में काम नहीं किया और न ही यह फिल्म देखी है। मैंने भी इंटरनेट पर इसके बारे में पढ़ा है। मेरी पहली फिल्म जॉनी गद्दार थी, जिसमें मैंने सीआईडी के दौरान काम किया था।

आपने सिंघम रिटर्न्स और सिंघम अगेन में अजय देवगन के साथ काम किया। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

अजय देवगन के साथ काम करने का बहुत अच्छा अनुभव रहा। क्राफ्ट के प्रति समझ और समर्पण ने उन्हें बड़ा स्टार बनाया है। सिंघम फ्रेंचाइजी में काम मिलने का श्रेय सीआईडी को जाता है, क्योंकि मेरे किरदार की लोकप्रियता के कारण ही मुझे ये फिल्में मिलीं।

सिंघम अगेन में करीना कपूर का दया दरवाजा तोड़ डायलॉग बहुत लोकप्रिय हुआ। क्या आपको इस डायलॉग की वजह से फिल्म में कास्ट किया गया था?

दया दरवाजा तोड़ एक साधारण सी लाइन थी, लेकिन यह बहुत लोकप्रिय हो गई। फिल्म में यह लाइन रोहित शेट्टी की सोच का नतीजा थी। सिंघम रिटर्न्स में अजय देवगन ने यह लाइन बोली थी और सिंघम अगेन में करीना कपूर ने। रोहित शेट्टी का दृढ़ विश्वास था कि इस लाइन पर लोग तालियां बजाएंगे।

सीआईडी पर सोशल मीडिया पर अक्सर मीम्स बनते हैं। आप इस पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? क्या कोई खास मीम है जो आपको बहुत पसंद आया हो?

मीम्स तो बहुत से हैं। लोग सीआईडी के वीडियो पर डब करके मीम्स बनाते हैं और यह दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गए हैं। मुझे अच्छा लगता है कि लोग इस शो को इतना पसंद करते हैं और इस शो के जरिए वे अपनी यादों को ताजा करते हैं। बहुत से लोग हमसे मिलते हैं और अपने शानदार बचपन के लिए हमें धन्यवाद देते हैं। लोगों को हंसी से भरे ये मीम्स अच्छे लगते हैं और हमें भी यह देखकर अच्छा लगता है कि लोगों में यह शो कितना ज्यादा लोकप्रिय है।

शिवाजी साटम और आदित्य श्रीवास्तव के साथ आपकी केमिस्ट्री कैसी है? क्या आप तीनों शूटिंग के बाद भी एक-दूसरे से मिलते रहते हैं?

हमारा रिश्ता बहुत मजबूत है। छह साल हमारा शो ऑफ एयर था, लेकिन हम लोग लगातार मिलते जुलते रहते थे। हमने सीआईडी के बाद सीआईएफ नाम का शो भी किया था। उसमें शिवा जी सर तो नहीं थे, लेकिन आदित्य सर, फ्रेडी सर और सीआईडी की टीम के बाकी लोग थे। इसके अलावा हमने साथ में काफी विज्ञापन भी किए। हम एक-दूसरे को परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। शिवाजी सर को हम बड़े भाई की तरह मानते हैं और आदित्य सर भी मेरे बड़े भाई की तरह हैं। सेट पर हम सभी एक-दूसरे को बहुत इज्जत देते हैं।